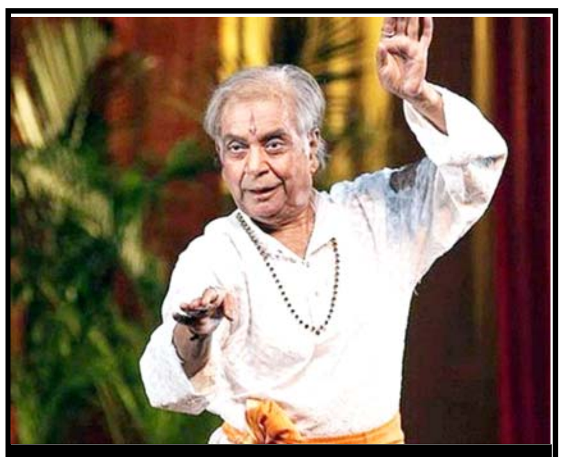

मशहूर कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज रविवार देर रात इश दुनिया को अलविदा कह गए। जानकारी के अनुसर वे उन्हें हृदयाघात हुआ।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 37 दिनांक: 18-01-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती विश्व व्यवस्था के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में बड़े बदलाव का जोरदार आह्वान किया है।

चुनाव आयोग का फैसला, 14 को नहीं 20 फरवरी को होगा पंजाब में चुनाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने पंजाब विधानसभा चुनाव स्थगित करने का फैसला किया है। पहले ये मतदान 14 फरवरी को होना था लेकिन अब 20 फरवरी को होगा। इससे पहले लगभग सभी पार्टियों ने चुनाव आयोग से पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 14 फरवरी को होने वाले मतदान को कुछ दिनों के लिए स्थगित करने को कहा था। पार्टियों कहना था कि राज्य के दलित समुदाय के बहुत से लोग संत रविदास की जयंती पर वाराणसी जाएंगे। रविदास जयंती 16 फरवरी को है। कांग्रेस के अलावा भाजपा ने भी चुनाव आयोग से मतदान टालने का आग्रह किया था जिस पर आयोग ने सोमवार को फैसला लिया। अब पंजाब विधानसभा के चुनाव 20 फरवरी को एक ही चरण में होंगे। आयोग ने कहा, ठआयोग को राज्य सरकार, राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों से कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें श्री गुरु रविदास जी जयंती समारोह में भाग लेने के लिए पंजाब से वाराणसी में बड़ी संख्या में भक्तों की आवाजाही के संबंध में ध्यान आकर्षित किया गया है, जो 16 फरवरी 2022 को मनाया जाता है। पार्टियों ने ये भी बताया है कि उत्सव के दिन से लगभग एक सप्ताह पहले बड़ी संख्या में भक्त वाराणसी के लिए जाना शुरू कर देते हैं और मतदान का दिन 14 फरवरी 2022 को रखने से बड़ी संख्या में मतदाता मतदान से वंचित रह जाएंगे। इसे देखते हुए उन्होंने 16 फरवरी 2022 के कुछ दिनों बाद मतदान की तारीख को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। आयोग ने इस संबंध में राज्य सरकार और मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब से भी इनपुट लिया है। इन आवेदनों, राज्य सरकार और मुख्य चुनाव अधिकारी के इनपुट पर विचार करने के बाद, अब आयोग ने पंजाब की विधान सभा के आम चुनावों को निम्नलिखित तरीके से पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले कांग्रेस, भाजपा, बसपा ने चुनाव आयोग से मतदान टालने का आग्रह किया था जिस पर आयोग ने सोमवार को फैसला लिया। अब पंजाब विधानसभा के चुनाव 20 फरवरी को एक ही चरण में होंगे। चुनाव आयोग ने सोमवार को अहम मीटिंग में ये फैसला लिया। सभी पार्टियों ने चुनाव आयोग को अलग-अलग पत्र लिखा था। बहुजन समाज पार्टी ने भी यह मांग उठाई है। बीजेपी ने सीईसी को लिखे खत में कहा था, ठपंजाब में गुरु रविदास जी को मानने वाले दलित समाज के बहुत से लोग रहते हैं। राज्य में अनुसूचित जाति की आबादी 32 प्रतिशत है। वाराणसी में गुरु पर्व को मनाने के लिए लाखों की तादाद में समाज के लोग जाएंगे। ऐसे में उनके लिए वोटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बन पाना संभव नहीं होगा। ऐसे में मतदान को स्थगित किया जाना चाहिए, जिससे समुदाय के लोग वोट देने से वंचित न रह जाएं।

अबू धाबी में तेल के तीन टैंकरों में ड्रोनों की मदद से विस्फोट की खबर

अबुधाबी (ईएमएस)। अबू धाबी में तेल के तीन टैंकरों में ड्रोनों की मदद से विस्फोट किए हो सकते हैं, संभवतः इसकी वजह से सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य हवाई अड्डे के विस्तार पटल पर आग लगने की घटना सामने आई। अबू धाबी पुलिस ने हवाई अड्डे पर लगी आग को 'मामूली बताकर कहा कि यह आग शहर के मुख्य विमानपत्तन के एक विस्तार पटल पर लगी, जो निर्माणाधीन है। बयान में अबू धाबी की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी एडीएनओसी के एक भंडारण केंद्र के पास तीन पेट्रोलियम टैंकरों में विस्फोट की एक अलग घटना की भी जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में छोटी-छोटी उड़ने वाली वस्तुओं के दोनों इलाकों में गिरने का पता चला है, जो संभवतः ड्रोन से संबंधित होगी हैं। इनसे विस्फोट और आग की घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। इस बीच, यमन के हूती विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात में हमला करने का दावा किया है। यूएई और यमन के बीच 2015 से संघर्ष चल रहा है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याहिया सरेई ने कहा कि उनके समूह ने यूएई में अंदर तक हमला किया है। सरेई ने ज्यादा जानकारी नहीं देकर कहा कि जल्द ही एक बयान जारी किया जाएगा।

भारत कोरोना लहर का मजबूती से सामना कर रहा है - मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विश्व आर्थिक मंच की बैठक को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भारत कोरोना लहर का मजबूती से सामना कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने कोरोना के दौरान इकोनॉमिक रिफॉर्म पर भी फोकस किया है। जब से कोरोना का दौर शुरू हुआ, तब से हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन पहुंचा रहे हैं। हमने आर्थिक सुधारों पर भी बहुत फोकस किया है। आज हमारे कदमों की दुनिया के अर्थशास्त्री भी सराहना कर रहे हैं। दुनिया के अपेक्षाओं को भारत जरूर पूरा करेगा। आज भारत कोरोना की एक ओर लहर का सावधानी और सतर्कता से मुकाबला कर रहा है। भारत आर्थिक क्षेत्र में भी कई आशावान परिणामों के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत में आज आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का उत्साह भी है। भारत आज एक साल में ही करीब 160 करोड़ वैक्सीन डोज देने के आत्मविश्वास से भी भरा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने दुनिया को उम्मीदों भरा तोहफा दिया है। भारत 'ध्र्ाूें, ध्हा र्पीू' के तहत दुनिया के कई देशों को वैक्सीन देकर करोड़ों जीवन बचा रहा है।भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ओर से आयोजित दावोस समिट को संबोधित किया। इसमें पीएम ने कोरोनावायरस महामारी से निपटने के लिए भारत की तरफ से दुनिया को दी जा रही मदद के बारे में बताया। मोदी ने भारत के वन अर्थ, वन हेल्थ (ध्र्ाूें, ध्हा र्पीू) मंत्र का जिक्र करते हुए कहा कि कोरोना के इस समय में हमने देखा है कि कैसे भारत अपने विजन पर चलते हुए अनेकों देशों को जरूरी दवाइयां, वैक्सीन देकर करोड़ों जीवन बचा रहा है।

पीएम ने भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, ठआज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवाइयों का निर्माता है। एक तरह से भारत दुनिया के लिए दवा है। भारत जैसी मजबूत डेमोक्रेसी ने पूरे विश्व को एक खूबसूरत उपहार दिया है, एक उम्मीद का गुलदस्ता दिया है। इस गुलदस्ते में है, हम भारतीयों का डेमोक्रेसी पर अटूट विश्वास। इस गुलदस्ते में है 21वीं सदी का सशक्तीकरण करने वाली तकनीक। इस गुलदस्ते में है, हम भारतीयों का मिजाज, हम भारतीयों की प्रतिभा।

दावोस एजेंडा समिट के दौरान संबोधन में मोदी ने भारत के आगे के नजरिए को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ठआज भारत वर्तमान के साथ ही अगले 25 वर्षों के लक्ष्य को लेकर नीतियां बना रहा है, निर्णय ले रहा है। इस कालखंड में भारत ने उच्च विकास के, कल्याण से जुड़े लक्ष्य रखे गए हैं। विकास का ये कालखंड हरित भी होगा, स्वच्छ भी होगा, टिकाऊ भी होगा, भरोसेमंद भी होगा।

मोदी ने अर्थव्यवस्था के लक्ष्यों पर कहा, ठहमें ये मानना होगा कि हमारी जीवनशैली भी जलवायु के लिए बड़ी चुनौती है। फेंक देने की संस्कृति और उपभोक्तावाद ने जलवायु चुनौतियों को और बड़ा और गंभीर बना दिया है। आज की जो टेक, मेक, यूज और डिस्पोज इकोनॉमी है, उसको तेज़ी से सर्कुलर इकोनॉमी (गोल अर्थव्यवस्था) की तरफ बढ़ाना बहुत ज़रूरी है।

ठआज वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के साथ ही एक वैश्विक परिवार के तौर पर हम जिन चुनौतियों का सामना करते रहे हैं, वो भी बढ़ रही हैं। इनसे मुकाबला करने के लिए हर देश, हर वैश्विक एजेंसी को साझा और चरणबद्ध कार्रवाई की जरूरत है। ये सप्लाई चेन के गतिरोध, महंगाई, और जलवायु परिवर्तन इन्हीं के उदाहरण हैं। एक और उदाहरण है- क्रिप्टोकरेंसी का। जिस तरह की टेक्नोलॉजी इससे जुड़ी है, उसमें किसी एक देश द्वारा लिए गए फैसले, इसकी चुनौतियों से निपटने में अपर्याप्त होंगे। हमें एक समान सोच रखनी होगी।

नाहिद हसन को टिकट देकर फंसी सपा, सुप्रीम कोर्ट में मान्यता खत्म करने की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से राजनैतिक दल समाजवादी पार्टी की मान्यता खत्म करने की मांग कर अर्जी दाखिल की गई है।अर्जी में कहा गया है कि चुनाव में उम्मीदवार तय करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सपा ने उल्लंघन किया है, इसकारण उसकी मान्यता खत्म की जाए। उपाध्याय ने कहा कि यूपी के कैराना से नाहिद हसन को उतारकर सपा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन किया है।उपाध्याय ने कहा, समाजवादी पार्टी ने कैराना से गैंगस्टर को चुनाव मैदान में उतार दिया। उसका क्रिमिनल रिकॉर्ड अपने ट्विटर अकाउंट और वेबसाइट पर सपा ने जारी नहीं किया। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया में भी कोई जानकारी नहीं दी गई।'

अधिवक्ता ने कहा कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में दायर अर्जी में मांग की है कि सपा अध्यक्ष की ओर से उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना की गई है।इसमें चुनाव आयोग को आदेश दिया जाए कि वह उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करे। हालांकि नाहिद हसन को यूपी पुलिस की ओर से गिरफ्तार करने के बाद समाजवादी पार्टी उनका टिकट भी काट चुकी है। विरोध के बाद सपा ने नाहिद हसन की बहन को टिकट दिया है।

हालांकि भाजपा मामले पर सपा पर आक्रामक है। खुद सीएम योगी कह चुके हैं, कि सपा की पहली ही लिस्ट से उसके इरादे साफ हैं कि वह कैसे पश्चिम यूपी को गुंडाराज में झोंकने की तैयारी में है।उपाध्याय ने अपनी अर्जी में सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि चुनाव आयोग को आदेश दिया जाए कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर पार्टी अपने प्रत्याशियों पर दर्ज मुकदमों के बारे में जानकारी प्रकाशित करे।इसके अलावा अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी भी दे कि आखिर आपराधिक मुकदमे दर्ज होने के बाद भी उसे प्रत्याशी क्यों बनाया गया है।

भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म, श्रीलंका को दी 90 करोड़ डॉलर की आर्थिक मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट से परेशान है। इसी बीच भारत ने श्रीलंका को मदद के रूप में 90 करोड़ डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की है।श्रीलंका के प्रमुख अर्थशास्त्री और श्रीलंकाई सेंट्रल बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर डब्ल्यूए विजेवर्धने ने भारत की मदद की तारीफ कर कहा है कि भारत की तरफ से इस आर्थिक मदद ने अभी के लिए श्रीलंका की डूबती नैया को बचा लिया है।साथ ही उन्होंने श्रीलंका की आर्थिक स्थिति को लेकर राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को भी चेतावनी दी।

अर्थशास्त्री विजेवर्धने ने राष्ट्रपति को चेतावनी देकर कहा कि विदेशी मुद्रा की कमी से जूझ रहे श्रीलंका को तत्काल अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेने की आवश्यक्ता होगी। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग समाप्त हो चुका है और सभी जरूरी वस्तुओं की कमी हो रही है।देश में इनदिनों महंगाई अपने चरम पर है। इसी स्थिति से निपटने के लिए भारत ने 90 करोड़ डॉलर का ऋण श्रीलंका को देने की घोषणा की है।

श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने सेंट्रल बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड काबराल से मुलाकात कर उन्हें आर्थिक रूप से समर्थन देने की बात की।भारतीय उच्चायोग की तरफ से ट्वीट भी किया, जिसमें कहा गया, 'इस आर्थिक मदद में 50.9 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि एशियन क्लियरिंग यूनियन समझौते को स्थगित करने और 40 करोड़ डॉलर की करेंसी अदला-बदली शामिल है।

विजेवर्धने ने कहा, भारत के आर्थिक पैकेज ने 18 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड के निपटान के बाद आने वाले एक तत्काल आर्थिक संकट को टाल दिया है।40 करोड़ डॉलर की अदला-बदली ने एक हद तक सकल भंडार में सुधार करने में मदद की है।150 करोड़ डॉलर की भारतीय क्रेडिट लाइन की मदद से श्रीलंका उन वस्तुओं को भारत से आयात करेगा जिनकी देश में कमी है।

विजेवर्धने ने कहा कि भारत की समय पर सहायता ने श्रीलंकाई सरकार को दो महीने की राहत दी है। उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा समय है जिसमें कठिन आर्थिक सुधारों को लागू करने की आवश्यकता है और स्थायी समाधान के लिए आईएमएफ से कर्ज लेने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, भारत के हस्तक्षेप से श्रीलंका को मदद मिली है, लेकिन वे हमें स्थायी राहत नहीं दे सकते। हमें इस मदद के लिए भारत से किए गए वादों का सम्मान करने की आवश्यकता है। इस बीच, हमें आईएमएफ से मदद लेने की जरूरत है।

मशहूर कथक नृत्य सम्राट पंडित बिरजू महाराज का निधन

-83 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश और दुनिया में भारतीय नृत्य विधा कथक को प्रसिद्धि दिलाने वाले मशहूर कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज रविवार देर रात इश दुनिया को अलविदा कह गए। जानकारी के अनुसर वे उन्हें हृदयाघात हुआ। उनके निधन की जानकारी उनके पोते स्वरांश मिश्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उनकी पोती रागिनी ने बताया कि पिछले एक महीने से उनका इलाज चल रहा था। बीती रात उन्होंने खाना खाया और काफी पी थी। इसी बीच उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां उन्हें बचाने की काफी कोशिश की गई, लेकिन उन्हें बचाया ना जा सका।

गायक अदनान सामी ने अपने एक ट्वीट में उन्हें श्रद्धांजलि दी है। अपने ट्वीट में अदनान सामी ने लिखा है कि पंडित बिरजू महाराज जी के निधन की खबर से वे काफी दुखी हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि आज हमने कला के क्षेत्र का एक अनोखा संस्थान खो दिया। उन्होंने अपनी प्रतिभा से कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। बता दें कि पंडित बिरजू महाराज को भारत सरकार ने उन्हें 1983 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। वे 83 वर्ष के थे।

पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने से ताल्लुक रखते थे। उनका जन्म 4 फरवरी 1938 को लखनऊ में हुआ था। उनका असली नाम पंडित बृजमोहन मिश्र था। ये कथक नर्तक होने के साथ साथ शास्त्रीय गायक भी थे। बिरजू महाराज के पिता और गुरु अच्छन महाराज, चाचा शंभु महाराज और लच्छू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे। पंडित बिरजू महाराज ने डेढ़ इश्किया, देवदास, उमराव जान और बाजी राव मस्तानी जैसी कामयाब और हिंदी सिनेमा में मील का पत्थर मानी जाने वाली फिल्मों के लिए डांस कोरियोग्राफ किया था।

2012 में फिल्म विश्वरूपम में डांस कोरियोग्राफी के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा बाजीराव मस्तानी के 'मोहे रंग दो लाल' गाने की कोरियाग्राफी के लिए उन्हें वर्ष 2016 में फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। मुंशी प्रेमचंद्र की कहानी पर आधारित फिल्म शतरंज के खिलाड़ी में भी उन्होंने डांस कंपोज और कोरियाग्राफर की भूमिका निभाई थी।

पंडित बिरजू महाराज को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और कालिदास सम्मान समेत ढेरों सम्मान से नवाजा जा चुका था। इसके अलावा उन्हें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय और खैरागढ़ विश्वविद्यालय ने बिरजू महाराज को डाक्टरेट की मानद उपाधि भी दी थी। बिरजू महाराज को कथक में नए आयाम नृत्य-नाटिकाओं को जोड़ने और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कत्थक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कलाश्रम की स्थापना की।

पंजाब में 'आप' के मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान आज करेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब विस चुनाव को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल काफी उम्मीद लगाएं है। केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा मंगलवार को की जाएगी। केजरीवाल ने 13 जनवरी को पंजाब के लोगों से अपने पसंदीदा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के नाम सुझाने के लिए कहा था और इसके लिए एक मोबाइल नंबर भी जारी किया था। केजरीवाल ने तब कहा था कि वह चाहते थे कि 'आप' सांसद भगवंत मान का नाम मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया जाए, लेकिन औरों ने जोर देकर कहा कि यह फैसला पंजाब के लोगों को ही करना चाहिए।

केजरीवाल ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा मंगलवार को दोपहर 12 बजे की जाएगी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने जून 2021 में कहा था कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा सिख समुदाय से होगा और पूरे पंजाब को अपनी पसंद पर गर्व होगा।

वहीं, रविवार को, 'आप' विधायक हरपाल सिंह चीमा ने कहा था कि पार्टी को उसके ठजनता चुनेगी अपना सीएमठ अभियान के लिए लगभग 15 लाख प्रतिक्रियाएं मिलीं। केजरीवाल ने पिछले हफ्ते जब अभियान शुरू किया था तब उन्होंने खुद को इस दौड़ से बाहर कर दिया था और कहा था कि शीर्ष पद के लिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा लोगों की प्रतिक्रिया मिलने के बाद की जाएगी। पंजाब के लोगों को सोमवार शाम 5 बजे तक मोबाइल नंबर 7074870748 पर एसएमएस, व्हाट्सएप या वॉयस मैसेज के जरिए अपनी पसंद देने को कहा गया है। चीमा ने कहा कि राज्य के लोगों द्वारा दिखाया गया उत्साह इस बात का प्रमाण है कि इस बार 'आप' निश्चित रूप से पंजाब में सरकार बनाएगी और वह भी स्पष्ट बहुमत के साथ। चीमा ने कहा कि पंजाब के लोग आगामी चुनावों में ठपारंपरिक राजनीतिक दलों का सफायाठ करेंगे और 'आप' को जनादेश देंगे। इस बीच, 'आप' ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी कर दी है।

अब तक 157.20 करोड़ से अधिक टीके लगे, 24 घंटों में 2,58,089 नए केस

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले 24 घंटों में 39 लाख से अधिक (39,46,348) वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 157.20 करोड़ (1,57,20,41,825) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,68,75,217 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 1,51,740 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,52,37,461 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 94.27 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 2,58,089 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 16,56,341 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 4.43 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 13,13,444 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 70.37 करोड़ (70,37,62,282) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 14.41 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 19.65 प्रतिशत है।

कोविड वैक्सीन अनिवार्य होने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। कई राज्यों में ज्यादातर स्थानों पर कोविड वैक्सीन अनिवार्य होने के खिलाफ कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र का कहना है कि वैक्सीनेशन स्वैच्छिक है लेकिन राज्यों ने इसे कुछ उद्देश्यों के लिए अनिवार्य कर दिया है। राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने, सब्सिडी वाले अच्छे अनाज का लाभ उठाने के लिए वैक्सीनेशन अनिवार्य करने का विरोध करते हुए अर्जी दी गई है। राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह टीकाकरण के पूर्व सदस्य डॉ जैकब पुलियेल ने अर्जी दायर की है।

केंद्र सरकार की इस दलील को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता जैकब पुलियल ने कहा है कि केंद्र सरकार भले ये कह रही है कि टीकाकरण ऐच्छिक है अनिवार्य नहीं लेकिन दिल्ली, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में तो उसे अनिवार्य ही बना दिया गया है। याचिकाकर्ता जैकब पुलियल नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इम्यूनाइजेशन के पूर्व सदस्य हैं

गणतंत्र दिवस परेड में आसमान में दिखेगा भारत की हवाई शक्ति का जलवा

-5 राफेल सहित 75 लड़ाकू विमान करेंगे भव्य फ्लाईपास्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस बार गणतंत्र दिवस परेड में भारत की हवाई शक्ति का जलवा दिखेगा। बीतें वर्षों के समारोह में दिखाई जाने वाली झांकियों की चर्च होती थी। इन झांकियों में भारत की विरासत और सांस्कृतिक झलक दिखाई देती है। लेकिन इस बार गणतंत्र दिवस परेड काफी अनोखी होने वाली है। इस बार समारोह के दौरान 5 राफेल सहित 75 लड़ाकू विमान 'अब तक के सबसे भव्य फ्लाईपास्ट' में शामिल होंगे जो आसमान से दुनिया को देश की ताकत दिखाएंगे। विंग कमांडर इंद्रनील नंदी ने कहा कि भारतीय वायुसेना, थल सेना और नौसेना के विमानों सहित 75 लड़ाकू विमानों के साथ गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजपथ पर होने वाला यह अब तक का सबसे भव्य फ्लाईपास्ट होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 17 जगुआर विमान अमृत महोत्सव के 75वें वर्ष की आकृति बनाते हुए आसमान में दिखाई देंगे। यह पहली बार होगा जब नौसेना के एमआईजी29के और पी8. लड़ाकू विमान भी इस समारोह में भाग लेंगे।

राजधानी दिल्ली में कोरोना के चलते इस साल परेड में केवल 24 हजार लोगों को ही शामिल होने की अनुमति होगी। इस बार गणतंत्र दिवस उत्सव 24 के बजाय 23 जनवरी से शुरू हो रहा है, क्योंकि इस दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जाती है। इस बार पांच मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधि गणतंत्र दिवस 2022 समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

उत्तर भारत में फिलहाल शीत लहर से राहत के आसार नहीं, मध्य भारत में भी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौसम विभाग की ओर से दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में अगले दो दिनों में भीषण ठंड पड़ने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश औ- राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में गलन वाली ठंड और बढ़ सकती है। साथ ही हाड़ कंपाने वाली सर्द हवाएं भी परेशानी बढ़ाएंगी। इन इलाकों में तेज धूप निकलने की संभावना भी कम ही है। इन इलाकों में कोल्ड डे और सीवियर कोल्ड डे की परिस्थितियां अगले दो दिनों में कहर बरपा सकती है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि उत्तरपश्चिम भारत में एक और पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होता दिख रहा है, जिसका असर 21 जनवरी के बाद देखने को मिल सकता है।

वहीं बिहार, बंगाल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों में भारी कोहरा पड़ सकता है। दिल्ली में सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री अधिक 8.7 डिग्री सेल्सियस था। कई जगहों पर शीतलहर चल रही है। सोमवार सुबह 8.30 बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत रहा। अधिकतम तापमान के 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में भी सर्दी का सितम जारी है, रविवार रात फतेहपुर शहर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीती रात न्यूनतम तापमान करौली में 3.2 डिग्री, अजमेर में 4.6 डिग्री, नागौर में 4.7 डिग्री, सीकर में 5.0 डिग्री, पिलानी में 5.2 डिग्री, बूंदी में 5.5 डिग्री, एरनपुरा रोड में 5.6 डिग्री, चुरू में 5.7 डिग्री, संगरिया में 5.9 डिग्री, धौलपुर में 6.1 डिग्री, अलवर में 6.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। रविवार की रात राज्य के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

कार्टून कोना

झांकी के सम्बन्ध में निर्णय विशेषज्ञ समिति लेती है - राज्यों के आरोप पर केंद्र की सफाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुछ राज्यों के इस आरोप पर कि गणतंत्र दिवस परेड से उनकी झांकी को हटा दिया गया है, केंद्र सरकार ने जोर देकर कहा कि केंद्र नहीं बल्कि एक विशेषज्ञ समिति इस संबंध में निर्णय लेती है। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के प्रस्तावों को विषय विशेषज्ञ समिति ने उचित प्रक्रिया और विचार-विमर्श के बाद खारिज किया है।

केंद्र सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा केंद्र और राज्यों के बीच विवाद को चित्रित करने के लिए अपनाया गया एक गलत उदाहरण है। यह देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों से कुल 56 प्रस्ताव आए थे और इनमें से 21 को शॉर्टलिस्ट किया गया था। सूत्रों ने कहा कि समय की कमी को देखते हुए स्वीकृत प्रस्तावों की तुलना में अधिक प्रस्तावों को खारिज करना स्वाभाविक है।

रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह भी कहा कि चयन की इसी तरह की प्रक्रिया हर साल अपनाई जाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने राज्यों की झांकियों को हटाने का विरोध करते हुए हस्तक्षेप की मांग की है। स्टालिन ने कहा कि झांकी को हटाने से तमिलनाडु के लोगों की भावनाओं और देशभक्ति की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचेगी।

पश्चिम बंगाल की झांकी को शामिल नहीं किए जाने पर हैरानी जताते हुए बनर्जी ने कहा कि इस तरह के कदम से उनके राज्य के लोगों को चोट पहुंचेगी। केरल में कई राजनेताओं ने भी झांकी को बाहर करने का मुद्दा उठाकर केंद्र की आलोचना की है।

एनएसजी का खुलासा- गाजीपुर से बरामद आईईडी में आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट और टाइमर लगे थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी के गाजीपुर फूल मंडी से बरामद आईईडी विस्फोटक मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने बड़ा खुलासा करते हुए दिल्ली पुलिस को बताया है कि हाल ही बरामद आईईडी में एक टाइमर उपकरण लगा हुआ था और इसमें अमोनियम नाइट्रेट तथा आरडीएक्स मौजूद थे। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। संघीय आतंकवाद-निरोधक कमांडो बल ने 14 जनवरी को यहां बरामद किए गए विस्फोटक पदार्थ को जांच के लिए हरियाणा के मानेसर स्थित अपने राष्ट्रीय बम डेटा केंद्र (एनबीडीसी) के विशेषज्ञों को भेजा था। सूत्रों ने कहा कि विस्फोट-उपरांत अंतिम जांच रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सौंप दी गई है। इसमें कहा गया है कि आईईडी में अमोनियम नाइट्रेट, आरडीएक्स, नौ वोल्ट की एक बैटरी, लोहे के छोटे-छोटे टुकड़े थे, जो विस्फोट के दौरान छर्रे की तरह काम कर सकते थे और टाइमर उपकरण लगा था। उन्होंने जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आरडीएक्स का इस्तेमाल आईईडी में मुख्य विस्फोटक के रूप में किया गया था, लेकिन सर्किट में गड़बड़ के कारण यह नहीं फटा।

बल ने करीब तीन किलो के आईईडी को निष्क्रिय कर दिया था, जिसे लोहे के बक्से में रखा गया था और काले बैग में छिपाया गया था। फूल मंडी में एक गड्ढा खोदा गया था और एनएसजी कर्मियों द्वारा ठनियंत्रित विस्फोटठ प्रक्रिया के तहत आईईडी को नष्ट कर दिया गया था। इस घटना को दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने बहुत गंभीरता से लिया है, क्योंकि यह 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह से कुछ दिन पहले हुआ था, जिसके लिए राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा तंत्र हाई अलर्ट पर है।

योगी जी के जीतने से मार्च में यूपी को मिलेगा मजबूत विपक्ष : टिकैत

प्रयागराज (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश की राजनीति में इनदिनों चुनावी माहौल है।प्रतिदिन नए सियासी समीकरण सामने आ रहे हैं। इसी बीच प्रयागराज माघ मेला में तीन दिवसीय किसानों के चिंतन शिविर में शामिल होने पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है।टिकैत ने दोहराया है कि यूपी में मजबूत विपक्ष के लिए सीएम योगी का गोरखपुर सीट से जीतना जरूरी है। टिकैत ने कहा कि दो चीजें एक साथ होने जा रही हैं।योगी गोरखपुर से चुनाव जीतने वाले हैं और उनके चुनाव जीतने पर मार्च महीने से विपक्ष मजबूत होगा। उन्होंने कहा है कि किसान समझदार है और वह इशारों को समझते हैं। टिकैत ने कहा है कि किसान यूनियन 22 जनवरी से 3 दिनों तक लखीमपुर खीरी में फिर डेरा जमाएगा।

उन्होंने सपा-आरएलडी गठबंधन को समर्थन देने की खबरों का खंडन किया है। टिकैत ने कहा, किसान यूनियन किसी भी सियासी पार्टी या गठबंधन को अपना समर्थन नहीं देगी। टिकैत ने सफाई देकर कहा है कि एक प्रत्याशी आशीर्वाद मांगने आया था।उस सिर्फ आशीर्वाद दिया गया था। टिकैत ने कहा है कि कोई भी आशीर्वाद मांगने आएगा,तब उस वापस नहीं भेजा जा सकता है।टिकैत ने कहा कि हमारे करीबी धर्मेंद्र मलिक के चुनाव लड़ने की बात भी गलत है। उन्होंने कहा है कि मलिक या यूनियन से जुड़ा कोई बड़ा चेहरा विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा।

उन्होंने कहा है कि जेल गए और हिंसा में मारे गए किसानों के परिवार वालों से मुलाकात करुंगा। किसानों के परिवार वालों से मुलाकात के बाद ही आगे के आंदोलन की रणनीति तय होगी। जेल जाकर वहां बंद किसानों से मुलाकात की भी कोशिश रहेगी।माघ मेले में तीन दिन तक चिंतन शिविर के बाद किसानों की समस्याओं को लेकर 31 जनवरी को पूरे देश में प्रदर्शन होगा। गौरतलब है कि 31 जनवरी से ही संसद का सत्र भी शुरू होने जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता टिकैत ने कहा है कि फिलहाल किसान यूनियन न ही किसी दल को समर्थन कर रहा है, न ही यूनियन का कोई सदस्य चुनाव लड़ने जा रहा है।

जन हितैषी

जन हितैषी

पाक की फितरत

सीमा पार से आतंकवाद फैलाने की सारी कोशिशें नाकाम होने के बाद अब पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई भारत विरोधी साजिश में नए रास्तों के जरिए आतंकियों की घुसपैठ कराने की कवायद में जुटी है। भारत में आतंक फैलाने के लिए पाक अब धर्म का रास्ता अख्तियार करने में जुटा है। करतारपुर कॉरिडोर से घुसपैठ की आशंका भी खुफिया एजेंसियों ने जाहिर की है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने घुसपैठ की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा को सौंपी है। आईएसआई करतारपुर कॉरिडोर से आतंकियों को भारत भेजने के लिए दस्तावेज व सुविधाएं मुहैया कराएगी। खास मकसद के लिए आतंकियों को दो सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग आईएसआई की निगरानी में दी गई है। यह भी पता चला है कि आतंकी संगठन पांच लोगों के साथ ऑपरेशन को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है, जो सिख पोशाक पहनेंगे। इस संगठन को साकरगढ़ में एक आतंकी शिविर में आईएसआई की निगरानी में दो सप्ताह का कमांडो प्रशिक्षण दिया गया है और यह लश्कर-ए-तंजीम संगठन से जुड़ा है। निकट भविष्य में घुसपैठ की यह कोशिश की जा सकती है। पाकिस्तान की तरफ से आतंक परस्त नीति अपनाए जाने की खबर आज पूरी दुनिया को है। यहां तक की जिस तालिबान को अफगानिस्तान में स्थापित करने में पाकिस्तान ने पूरी दुनिया से बदनामी मोल ली, उसी ने पाक को आंखें दिखा दी है। दरअसल, तालिबान इस बार अपनी आतंक वाली नीति को पीछे छोडऩा चाहता है, मगर पाक को इसी में अपना हित दिख रहा है। यही वजह है कि आज दोनों देशों में ठन गई है। आतंकवाद से जूझती दुनिया को राहत दिलाने या इसकी त्रासदी को खत्म करने के लिए सबसे जरूरी है कि इसके वित्तीय स्त्रोतों को रोका जाए। पिछले करीब दो दशक के बीच की घटनाओं के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर इसके लिए जिम्मेदार कारकों और वैसे पक्षों की पहचान की जा सकी है, जो परोक्ष रूप से आतंकी संगठनों को या तो वित्तीय मदद मुहैया कराते हैं या फिर इसे रोक पाने में नाकाम हुए हैं। पाकिस्तान उन्हीं देशों में से एक है, जिसके बारे में विश्व समुदाय की यह धारणा बनी है कि वह आतंकवादी संगठनों को अलग-अलग स्त्रोतों से मिल रही वित्तीय मदद या उनकी गतिविधियों को रोक पाने में अपेक्षा के अनुरूप कामयाब नहीं हुआ है। दरअसल, आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई किसी भी सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करती है और इस लिहाज से देखें तो पाकिस्तान ने ऐसे कदम नहीं उठाए हैं, जिसे आतंकवाद पर लगाम लगाने के मद्देनजर ठोस पहलकदमी कहा जाए। हालांकि पाकिस्तान के आम लोग यह जान-समझ रहे हैं कि विश्वव्यापी बदनामी के कारण दुनिया उस पर ध्यान नहीं दे रही है, लेकिन पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और खासकर उसकी सेना को शायद इसकी परवाह नहीं। हैरानी इस पर है कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान सच को स्वीकार करने के बजाय अपनी आतंकपरस्त सेना की कठपुतली बनना पसंद कर रहे हैं। पाकिस्तान एक ओर खुद को आतंक पीडित बताता है और दूसरी ओर किस्म-किस्म के आतंकियों को पालने-पोसने का भी काम करता है। आतंक के रास्ते पर चलते रहने पर आमादा पाकिस्तान यही जाहिर कर रहा है कि वह अभी भारत समेत दुनिया के लिए सिरदर्द बना रहेगा। हालांकि दुनिया पाकिस्तान का रोना-धोना सुनना पसंद नहीं कर रही है, लेकिन उसकी हरकतों को देखते हुए भारत को उससे नए सिरे से निपटने की तैयारी रखनी चाहिए। यह तैयारी निर्णायक ही होनी चाहिए। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक आतंकवाद पर नजर रखने वाले एक अंतरराष्ट्रीय मंच फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की पिछली बैठक में एक बार फिर से पाकिस्तान को ग्रे सूची में ही बनाए रखने का फैसला लिया गया। गौरतलब है कि एफएटीएफ ने अपने आकलन में उन सत्ताईस कार्ययोजनाओं में से छह को पूरा करने के मामले में पाकिस्तान को नाकाम पाया, जबकि इसे पूरा करने की समय-सीमा खत्म हो गई है। अब एफएटीएफ ने अगले साल यानी 2021 तक पाकिस्तान को सभी कार्ययोजनाओं को पूरा करने को कहा है। विडंबना यह है कि आतंकवाद का वित्तपोषण करने को लेकर लंबे समय से कठघरे में होने और सवाल उठाए जाने के बावजूद पाकिस्तान ने इस मसले पर ऐसे कदम नहीं उठाए, जिससे विश्व समुदाय के बीच उसे लेकर कोई सकारात्मक धारणा बन सके। विचित्र है कि पाकिस्तान एफएटीएफ की ओर से लागू प्रतिबंधों का नुकसान समझता है, इसके दायरे से बाहर भी आना चाहता है, लेकिन इसके लिए निर्धारित शर्तों को पूरा करना वह जरूरी नहीं मानता है। जबकि एफएटीएफ का मुख्य उद्देश्य ही विश्व स्तर पर मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने और आतंकवादी संगठनों को वित्तीय मदद मुहैया कराने से रोकने के लिए नीतियां बनाना है। ऐसे में समझा जा सकता है कि एफएटीए के रूप में एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक मंच ने पाकिस्तान को क्यों ग्रे सूची में बनाए रखा है। फिलहाल उसके लिए राहत की बात सिर्फ यह है कि उसे काली सूची में नहीं डाला गया।

सुभाष बाबू की याद ! वाह !!

हमारे गणतंत्र दिवस पर यों तो सरकारें तीन दिन का उत्सव मनाती रही हैं लेकिन इस बार 23 जनवरी को भी जोड़कर इस उत्सव को चार-दिवसीय बना दिया गया है। 23 जनवरी इसलिए कि यह सुभाषचंद्र बोस का जन्म दिवस होता है। सुभाष-जयंति पर इससे बढ़िया श्रद्धांजलि उनको क्या हो सकती है? भारत के स्वातंत्र्य-संग्राम में जिन दो महापुरुषों के नाम सबसे अग्रणी हैं, वे ़फ्ह– महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस। 1938 में कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में गांधी और नेहरु के उम्मीदवार पट्टाभि सीतारम्मय्या को सुभाष बाबू ने हराकर इतिहास कायम किया था। वे मानते थे कि भारत से अंग्रेजों को बेदखल करने के लिए फौजी कार्रवाई भी जरुरी है। उन्होंने जापान जाकर आजाद हिंद फौज का निर्माण किया, जिसमें भारत के हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख और सभी जातियों के लोग शामिल थे। उस फौज के कई अफसरों और सिपाहियों से पिछले 65-70 साल में मेरा कई बार संपर्क हुआ हैं। उनका राष्ट्रप्रेम और त्याग अद्भुत रहा है। कई मामलों में गांधीजी के अहिंसक सत्याग्रहियों से भी ज्यादा! मैं सोचता हूं कि यदि सुभाष बाबू 1945 की हवाई दुर्घटना में बच जाते और आजादी के बाद भारत आ जाते तो जवाहरलाल नेहरु का प्रधानमंत्री बने रहना काफी मुश्किल में पड़ जाता। लेकिन नेहरु का बड़प्पन देखिए कि अब से 65 साल पहले वे सुभाष बाबू की बेटी अनिता शेंकल को लगातार 6000 रु. प्रतिवर्ष भिजवाते रहे, जो कि आज के हिसाब से लाखों रु. होता है। इंदिरा गांधी ने सुभाष बाबू के सम्मान में डाक-टिकिट जारी किया, फिल्म बनवाई, राष्ट्रीय छुट्टी रखी, कई सड़कों और भवनों के नाम उन पर रखे। 1969 में जब इंदिराजी काबुल गईं तो मेरे अनुरोध पर उन्होंने 'हिंदू गूजर' नामक मोहल्ले के उस कमरे में जाना स्वीकार किया, जिसमें सुभाष बाबू छद्म वेष में रहा करते थे लेकिन अफगान विदेश मंत्री डॉ. खान फरहादी ने मुझसे कहा कि इंदिराजी को वहां नहीं जाने की सलाह हमने भेजी है, क्योंकि वह जगह सुरक्षित और स्वच्छ नहीं है। जो भी हो, मैंने काबुल के उस कमरे में एक छोटा-सा उत्सव-जैसा करके सुभाष बाबू का चित्र प्रतिष्ठित कर दिया था। मैं अब भाई नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं कि उन्होंने सुभाष बाबू के जन्म-दिवस को मनाने का इतना सुंदर प्रबंध कर दिया है। मैं तो उनसे अनुरोध करता हूं कि सुभाष बाबू वियना (आस्ट्रिया) और जापान में जहां भी रहते थे, उन स्थानों को वे स्मारक का रुप देने का कष्ट करें और वह पत्र भी पढ़ें, जो 24 जनवरी 1938 को महान स्वातंत्र्य-सेनानी रासबिहारी बोस ने सुभाष बाबू को लिखा था, ''अगली महत्वपूर्ण बात है, हिंदुओं को संगठित करना! भारत के मुसलमान वास्तव में हिंदू ही हैं।... उनकी धार्मिक प्रवृत्तियां और रीति-रिवाज तुर्की, ईरान और अफगानिस्तान के मुसलमानों से अलग हैं। हिंदुत्व में बड़ा लचीलापन है।'' (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

लोकतंत्र के लिए खतरनाक है दलबदल

उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से पूर्व जिस प्रकार से दलबदल करने के लिए कुछ राजनेता उतावले हो रहे हैं, उसके पीछे एक मात्र कारण यही माना जा रहा है कि ये सभी राजनेता भाजपा की विचारधारा को आत्मसात नहीं कर सके हैं। दूसरा बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काम करने का तरीका उत्तरप्रदेश में विगत कई वर्षों से चली आ रही राजनीति के तरीके से भिन्न है। हम भली भांति जानते हैं कि संन्यासी वृति के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निसंदेह उत्तरप्रदेश में स्वच्छ राजनीति के पक्षधर हैं और भाजपा छोड़ने वाले ज्यादातर विधायकों की राजनीतिक शैली बिलकुल भिन्न तरीके की रही है। कौन नहीं जानता कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में राजनीति करने वालों में दबंग किस्म के राजनेता भी मुख्य धारा में शामिल थे। प्रदेश की जनता इस प्रकार की राजनीति से प्रताड़ित भी होती रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यकीनन इस दबंग राजनीति पर लगाम लगाने का साहसिक कार्य किया है। वास्तव में लोकतंत्र को बचाने के लिए स्वच्छ राजनेताओं की बहुत आवश्यकता है, लेकिन कांग्रेस, सपा और बसपा की राजनीतिक कार्यशैली एकदम अलग प्रकार की है।

उत्तरप्रदेश के राजनीतिक हालातों का अध्ययन किया जाए तो यह सहज में ही दिखाई देता है कि पूर्व की सरकारों के समय में अपनाई जाने वाली राजनीतिक शैली में जबरदस्त बदलाव आया है, लेकिन जिस व्यक्ति के स्वभाव को यह बदलाव पसंद नहीं है, वह निश्चित ही भाजपा के साथ राजनीति करने के लिए फिट नहीं बैठता। ऐसे लोग स्वाभाविक रूप से भाजपा का साथ छोड़ने के लिए बाध्य ही होंगे। हालांकि यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि दलबदल करने वाले राजनेताओं के कोई भी नीति सिद्धांत नहीं होते। वह अवसर देखकर अपने आप में बदलाव करने में सिद्धहस्त होते हैं। जहां तक प्रदेश के कद्दावर नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के पार्टी छोड़ने का सवाल है तो यही कहा जाएगा कि प्रदेश में उनके परिवार की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पर्याप्त भरपाई की गई, लेकिन मुख्य सवाल यही है कि भाजपा का जो कार्यकर्ता वर्षों से अहर्निश परिश्रम कर रहा है, उसकी उपेक्षा भी नहीं की जा सकती। और करना भी नहीं चाहिए। जो लोग अभी हो रहे दलबदल को योगी आदित्यनाथ के लिए खतरे की घंटी निरूपित कर रहे हैं, वे ऐसा लगता है कि बहुत बड़े भ्रम में हैं। क्योंकि कांग्रेस, सपा और बसपा की कार्यशैली से प्रदेश की जनता भली भांति परिचित है। अब योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली भी प्रदेश की जनता ने देखी है। दोनों में जमीन आसमान का अंतर है। कहने का आशय यह है कि प्रदेश की जनता योगी आदित्यनाथ की राजनीति से बहुत प्रसन्न है। अब उत्तरप्रदेश में विद्वेष की राजनीति को तिलांजलि दी जा चुकी है। पहले प्रताड़ित लोग थाने जाने के लिए भय खाते थे, लेकिन अब वे पुलिस वाले भी जनता की बात को ध्यान से सुनते हैं जो सपा और बसपा के संरक्षण में कार्य करते रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट कहना है कि जिन अधिकारियों को राजनीति करना है, वह राजनीतिक मैदान में आकर मुकाबला करें, पुलिस कार्यप्रणाली में राजनीति नहीं चलेगी। ऐसा वीडियो वायरल भी हुआ, जिसे प्रदेश सहित देश की जनता ने भी देखा।

उत्तरप्रदेश की राजनीति की सबसे बड़ी विसंगति यही है कि यहां की राजनीतिक धुरी चार प्रमुख दलों के आसपास ही घूमती है। जिसमें भाजपा वर्तमान में शासन में है। कांग्रेस, सपा और बसपा भी सरकार का संचालन कर चुकी हैं। हालांकि प्रदेश में जब से बहुजन समाज पार्टी का उदय हुआ है, तब से कांग्रेस की स्थिति रसातल को प्राप्त कर चुकी है। आज कांग्रेस की हालत ऐसी है कि उसके साथ कोई भी आने के लिए तैयार नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बहुत बड़ी अपेक्षा के साथ कांग्रेस का हाथ पकड़ा था, लेकिन कांग्रेस ने सपा को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसी प्रकार बसपा की भी कहानी इसी प्रकार की है। उसे अपनी सरकार बनने के पूरे आसार दिखाई दे रहे थे, लेकिन पूरे नहीं हो सके। इस बार बसपा प्रमुख मायावती ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। चुनाव से पूर्व मायावती की यह चुप्पी किसी बहुत बड़े कदम की आहट है। राजनीतिक रूप से यही कहा जाएगा कि मायावती अगर इसी प्रकार चुप रहकर तमाशा देखेंगी तो इसका लाभ सपा और कांग्रेस को मिल सकता है और भाजपा के लिए बहुत बड़ा संकट पैदा हो सकता है। हालांकि इस बार सपा और कांग्रेस के लिए करो या मरो वाली स्थिति है। यह भी सही है कि दोनों के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए पूरा जोर लगाना होगा, जिसे दोनों दल कर भी रहे हैं। दूसरा यह भी एक कारण है कि कांग्रेस की ओर से प्रियंका वाड्रा को चमत्कारिक नेता के रूप में स्थापित करने के लिए ऐसा करना जरूरी भी है।

उत्तरप्रदेश के राजनीतिक हालात क्या होंगे, यह अभी से केवल अनुमान लगाया जा सकता है और अनुमान सत्य ही होंगे, ऐसा प्रामाणिक रूप से नहीं कहा जा सकता। लेकिन प्रदेश के किसी कौने से यह आवाज अवश्य ही मुखरित हो रही है कि विधायक बदल दीजिए, लेकिन मुख्यमंत्री योगी जी ही चाहिए। इसके निहितार्थ पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि प्रदेश की जनता योगी जी को मुख्यमंत्री के रूप में पहली पसंद मानती है। उनके कार्य करने की शैली भ्रष्ट राजनेताओं के लिए चेतावनी का कार्य कर रही है। उनकी यही शैली आयातित नेताओं को भाजपा से दूर कर रही है। हालांकि इसे भाजपा के लिए शुभ संकेत भी माना जा रहा है। अब देखना यही है कि भाजपा अपने बिछड़ने वाले साथियों की भरपाई के लिए क्या तैयारी करती है। (लेखक-सुरेश हिंदुस्थानी / ईएमएस)

यूपीः भाजपा में भागदौड़ - अभी तो यह 'ट्रेलर' है.... पूरी फिल्म बाकी है..... मेरे दोस्त....

भारतीय राजनीति के मार्गदर्शक उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले सत्तारूढ़ दल भाजपा में भागदौड़ का खेल शुरू हो गया है, मोदी-योगी की कथित 'दादागिरी' से उत्पीड़ित भाजपाजन अब दल को छोड़कर प्रमुख प्रतिपक्षी दल समाजवादी पार्टी का द्वार खटखटाने लगे है... और यह स्थिति सिर्फ उत्तरप्रदेश के सत्तारूढ़ दल के साथ ही नहीं बल्कि दूसरे अहम् चुनावी राज्य पंजाब की भी है, जहां कांग्रेसजन भाजपा का द्वार खटखटा रहे हैं।

वैसे भारतीय प्रजातंत्र में दल बदल का यह चलन कोई नया नही है, यह तो कई सालों से चला आ रहा है, सत्तारूढ़ दल के नेता में जब अहम् की मात्रा बढ़ जाती है तो फिर हर राजनीतिक दल के साथ यही होता आया है, जिसकी किरदार स्वयं इंदिरा गांधी भी रही है, किंतु इस बार केवल इतिहास ही नहीं दोहराया जा रहा है, बल्कि इतिहास में नए आयाम जोड़े जा रहे है, जो स्पष्ट करते है कि देश-प्रदेश के नेता कितने अहंकारी हो गए है? वैसे इस दल-बदल के दौर को हवा देने में सदा से उत्तरप्रदेश ही अग्रणी रहा है जिसका साथ अन्य कई राज्यों ने दिया है।

यदि हम ताजे दौर की बात करें तो उत्तरप्रदेश के एकमंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने मंत्री पद से इस्तीफे के साथ भाजपा से इस्तीफे का एलान किया है, श्री मौर्य उत्तरप्रदेश पिछड़ा वर्ग के वरिष्ठ नेता है और 2016 में बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, उनकी बेटी अभी भी भाजपा से सांसद है उत्तरप्रदेश पिछड़ा वर्ग में उनका काफी प्रभाव है तथा मौर्य के इस्तीफे को भाजपा के लिए काफी बड़ा झटका बताया जा रहा है, श्री मौर्य के साथ फिलहाल तीन भाजपा विधायकों ने भी इस्तीफें की पेशकश की है तथा राज्य के सभी कौनों ने उनके समर्थक भाजपा छोड़ सपा में जाने का एलान कर रहे है, नेशनल कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने करीब बीस विधायकों के भाजपा छोड़ने की भविष्यवाणी की है, यहां यह उल्लेखनीय है कि नेशनल कांग्रेस पार्टी ने उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की घोषणा की है, जबकि गोवा विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस के साथ गठबंधन करने जा रही है। यद्यपि भाजपा छोड़ने वाले पिछड़े वर्ग के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिलहाल यह औपचारिक घोषणा नहीं की है कि वे किस पार्टी का दामन थामने जा रहे है, किंतु मंत्री पद तथा पार्टी छोड़ने के तत्काल बाद उनकी सपा प्रमुख अखिलेश यादव से हुई भेंट ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि उनका अगला राजनीतिक कदम सपा में ही होगा, पिछड़े वर्ग के इस वरिष्ठ नेता के सपा में प्रवेश को समाजवादी पार्टी नेता पार्टी के सुखद व शुभ बता रहे है तथा मान रहे है कि राज्य में अगली सरकार समाजवादी पार्टी की ही बनेगी तथा अखिलेश फिर एक बार मुख्यमंत्री बनेगें?

देश की राजनीतिक दिशा दिखाने वाले उत्तरप्रदेश के इस नए राजनीतिक घटनाक्रम ने जहां यह एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि उत्तरप्रदेश के साथ ही देश के आम वोटरों का भी भाजपा से मोहभंग होने लगा है, वहीं प्रतिपक्षी दलों को भी अब यह एहसास होने लगा है कि देश की सत्ता के सिंहासन से भाजपा को हटाना है तो मजबूत प्रतिपक्ष का होना जरूरी है और इसी बात को लेकर प्रतिपक्षी दलों में खुसर-फुसर शुरू हो गई है, कोई आश्चर्य नही होगा कि उत्तरप्रदेश चुनाव के पूर्व ही प्रतिपक्षी दलों की एकता की नई रणनीति सबके सामने आ जाये?

इसीलिए इन घटनाक्रमों से ऐसा लगता है कि देश में नए राजनीतिक तूफान की शुरूआत भी उत्तरप्रदेश से ही होगी और सब के सामने योगी जी का चेहरा होगा, जबकि निशान सीधे मोदी जी पर होगा। अब ऐसे कयास लगाए जा रहे है कि उत्तरप्रदेश के करीब एक सौ भाजपा विधायक एक जोरदार धमाके के माध्यम से मोदी को यह विस्फोटक संदेश देने वाले है। जहां तक मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का सवाल है उन्हें भाजपा में मोदी-शाह-नड्डा के बाद चौथे क्रम का सबसे बड़ा नेता माना जा रहा था, साथ ही जिन पांच राज्यों में अगले महीनें विधानसभा चुनाव होने जा रहे है, उनमें से चार राज्यों में वर्तमान में भाजपा की सरकारें है, सिर्फ पंजाब में ही कांग्रेस की सरकार है, भाजपा को यह आशंका है कि यदि उत्तरप्रदेश के राजनीतिक ग्रहण की काली छाया अन्य चुनावी राज्यों पर भी पड़ गई तो फिर पार्टी का क्या होगा? पार्टी ही नहीं संसद और विशेषकर राज्यसभा का क्या होगा? जहां आगामी छः महीनें बाद सतर से अधिक सीटों के चुनाव होने वाले है? इन्हीं सब तथ्यों को लेकर भाजपा की चिंताएं बढ़ गई है।

प्रतिपक्षी कह रहे है कि अभी तो यह देश की भावी राजनीतिक फिल्म का ट्रेलर मात्र है, पूरी फिल्म तो किसी 'टैरर' फिल्म से कम नहीं होगी? (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 18 जनवरी

1701 ब्रैडनबर्ग के फ्रेडरिक तृतीय प्रसिया की गद्दी पर बैठे.
1782 अमरीकी राजनेता डेनियल वेब्सटर का जन्म.
1841 महाराष्ट्र के विद्वान महादेव गोविंद रानडे का जन्म हुआ.
1942 मुक्केबाज मुहम्मद अली का जन्म हुआ.
1947 प्रसिद्ध गायक कुंदनमल सहगल का निधन जालंधर में हुआ.
1952 मिस्र में ब्रिटेन विरोधी दंगे भड़के.
1963 फ्रांस ने यूरोपीय साझा बाजार से ब्रिटेन को अलग करने की वकालत की.
1968 अमरीका और सोवियत संघ परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के लिए एक संधि के प्रारूप पर सहमत हुए.
1973 अमरीका और उत्तर वियतनाम में शांति समझौते का पाठ तैयार करने के लिए वार्ताकारों की बैठक शीघ्र होने की घोषणा की.
1976 फ्रांस ने जासूसी के आरोप में 40 सोवियत अधिकारियों को देश से निष्कासित कर दिया.
1986 दक्षिण यमन की राजधानी अदन में जबरदस्त संघर्ष शुरू होने पर विदेशी नागरिक भागने लगे.
1987 लंदन में प्रचार माध्यमों के 40 देशों के प्रतिनिधियों की हुई बैठक में सेंसरशिप के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष की घोषणा की गई.
1989 चेकोस्लोवाकिया में लाखों लोगों ने आजादी सच्चाई और मानवाधिकार के समर्थन में प्रदर्शन किया.
1997 नफीसा जोसेफ मिस इंडिया बनीं.
2003 प्रसिद्ध कवि- लेखक हरिवंशराय बच्चन का निधन.
2004 भारत ने एक दिवसीय श्रंखला में आस्ट्रेलिया को 19 रनों से हराया.
2005 सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों को पेट्रोल पम्प आवंटित नहीं करने की सिफारिश की.

फिर पाकिस्तान की बदनामी

अमेरिका में एक ऐसी आतंकी घटना हुई है, जिसके कारण पाकिस्तान फिर से सारी दुनिया में बदनाम हो रहा है। सारी दुनिया के अखबारों और टीवी चैनलों पर इस खबर को प्रमुख स्थान मिला है। खबर यह है कि मलिक फैज़ल अकरम नामक एक आदमी ने टेक्सास के एक यहूदी मंदिर (साइनोगॉग) में घुसकर चार लोगों को बंदूक के दम पर बंधक बनाए रखा। यह आतंकी दृश्य इंटरनेट के जरिए सारा अमेरिका देख रहा था। अमेरिकी पुलिस ने आखिरकार इस आतंकी को मार गिराया।

यह आतंकी यों तो ब्रिटिश नागरिक था लेकिन वह पाकिस्तानी मूल का था। उसने साइनेगॉग पर इसलिए हमला बोला कि वह अमेरिकी जेल में बंद आफिया सिद्दिकी नामक महिला की रिहाई की मांग कर रहा था। आफिया मूलतः पाकिस्तानी है और वह अमेरिकी जेल में 86 साल की सजा काट रही है। उसे 'लेडी अलकायदा' भी कहा जाता है। आफिया को इसलिए 2010 में गिरफ्तार करके उस पर न्यूयार्क में मुदकमा चलाया गया था कि उसे अफगानिस्तान में कुछ अमेरिकी फौजी अफसरों की हत्या के लिए जिम्मेदार माना गया था।

आफिया सिद्दीकी पाकिस्तानी तो थी ही, वह पाकिस्तानी नेताओं की नज़र में महानायिका भी थी। उसकी रिहाई के लिए पाकिस्तान के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने खुली अपीलें भी की थीं। उसे 'राष्ट्रपुत्री' का खिताब भी दिया गया था। उसके पक्ष में दर्जनों प्रदर्शन भी हुए थे। आतंकी मलिक अकरम ने टेक्सास के साइनेगॉग में बंदूक और विस्फोटकों के धमाकों के बीच दावा किया था कि वह आफिया का भाई है। लेकिन यह गलत था। अभी तक कोई ऐसा प्रमाण सामने नहीं आया है, जिसके आधार पर कहा जा सके कि इस आतंकी घटना में पाकिस्तान की सरकार या फौज का कोई हाथ है लेकिन अब पाकिस्तान में मलिक फैजल अकरम को कुछ लोग 'शहीद' की उपाधि देकर महानायक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस आतंकी घटना की घोर भर्त्सना की है और अमेरिकी जनता में, खासकर यहूदियों में इसकी सख्त प्रतिक्रिया हुई है। इस्राइली प्रधानमंत्री और अन्य यहूदी नेताओं ने पाकिस्तान को काफी आड़े हाथों लिया है। पाकिस्तान को पहले से ही अमेरिका ने लगभग अछूत बना रखा है, अब इस घटना ने उसकी मुसीबतें और भी ज्यादा बढ़ा दी हैं। पाकिस्तान के नेताओं, फौजियों और आम जनता के लिए इस दुखद घटना का सबक क्या है? क्या यह नहीं कि आतंकी तौर-तरीकों से किसी समस्या का हल नहीं हो सकता? उसके कारण खून-खराबा तो होता ही है, पाकिस्तान की बदनामी भी होती है। इस घटना के कारण पाकिस्तान के खिलाफ पहले से चल रहे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक दबाव अब और भी ज्यादा बढ़ जाएंगे। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7171

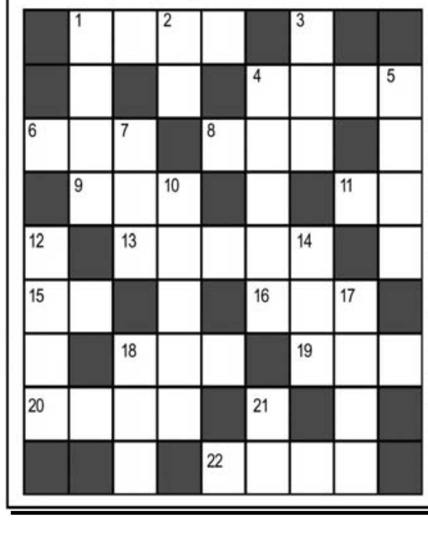

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -7170 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	मकर	06.29 बजे से
चंद्र	कर्क में	कुंभ	08.19 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	09.52 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.23 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.03 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.01 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	17.14 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	19.30 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	21.42 बजे से
		तुला	23.53 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	वृश्चिक	02.08 ब.से
		धनु	04.24 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 18 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा अहोरात्र।
नक्षत्र पुष्य 06.42 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.08 बजे को समाप्त।
करण बालव 18.09 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871132
जूलियन दिन 2459597.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 14
विशेष थाई पूसम, इष्टि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रोहित अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान रोहित शर्मा मांसपेशियों में खिंचाव से तकरीबन उबर गये हैं और वह अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली छह मैचों की सीमित ओवरों की सीरीज से वापसी करेंगे। रोहित को दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टेस्ट टीम का उपकप्तान बनाया गया था पर अभ्यास सत्र के दौरान ही मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह इस दौरे से बाहर हो गये थे।

इसके बाद से ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रोहित का रिहैबिलिटेशन काफी अच्छा चल रहा है और उनके वेस्टइंडीज सीरीज तक फिट होने की पूरी उम्मीदें है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे।

एकदिवसीय मैच छह से 12 फरवरी तक खेले जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 15 से 20 फरवरी तक खेले जाएंगे। रोहित पिछले काफी समय से खिंचाव की समस्या से परेशान रहे हैं। वह इसी कारण से 2020-21 ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीमित ओवर की श्रृंखला के बाद शुरुआती दो टेस्ट मैच की टीम से भी बाहर थे।

विराट कोहली ने अब टेस्ट फॉर्मेट से भी कप्तानी छोड़ दी है , ऐसे में अब रोहित को टेस्ट टीम की भी कप्तानी मिलना तय है जिसको देखते हुए उनके लिए अपनी फिटनेस बनाये रखना भी जरुरी होगा। रोहित हाल के वर्षों में सभी प्रारूपों में टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों खिलाड़ियों में से एक रहे है।

नडाल और ओसाका की ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जीत से शुरुआत

मेलबर्न (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ओर नाओमी ओसाका सोमवार से यहां शुरू हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने पुरुष एकल में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6- 1, 6-4, 6- 2 से हराया। वहीं महिला वर्ग में ओसाका ने कामिला ओसोरियो को 6-3, 6-3 से हराया। ओसाका ने पिछले साल यहां जीतने के बाद फ्रेंच ओपन 2021 से दूसरे दौर के मैच के बाद नाम वापिस ले लिया था और विम्बलडन भी नहीं खेली जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने ततयाना मारिया को 6-4, 7 -6 से हराया। बेलिंडा बेंचिच ने क्रिस्टीना म्लादेनोविच को 6 – 4, 6-3 से पराजित किया। पुरुष एकल में नडाल के पास इस बार सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर से आगे निकलने का अवसर है। कोरोनो टीकाकरण नहीं होने के कारण जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर कर दिया गया है। वहीं फेडरर सर्जरी के कारण इसमें भाग नहीं ले रहे है। नडाल ने जोकोविच, नडाल और फेडरर के बराबर 20 ग्रैंडस्लैम जीते हैं ओर फेडरर घुटने की सर्जरी के कारण नहीं खेल रहे हैं, जबकि जोकोविच को कोरोना का टीका नहीं लगाने के बाद ऑस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में नडाल के पास जोकोविच और फेडरर से आगे निकलने का मौका है।

नडाल की नजरें ओपन युग में चारों ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी बनने पर लगी है। जोकोविच ने साल 2021 में फ्रेंच ओपन जीतने के बाद यह कमाल किया था। ऑस्ट्रेलिया के रॉय एमर्सन और रॉड लावेर हर ग्रैंडस्लैम दो या अधिक बार जीत चुके हैं। नडाल ने पिछली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन 2009 में जीता था।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 2-1 से सीरीज जीती

किंगस्टन (ईएमएस)। आयरलैंड ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को दो विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली है। आईसीसी के किसी पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ आयरलैंड की किसी एकदिवसीय सीरीज में यह दूसरी जीत है। इससे पहले उसने साल 2019 में अपनी धरती पर जिम्बाब्वे को हराया था। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 212 रन बनाये। शाई होप ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाये जबकि जेसन होल्डर ने 44 रनों का योगदान दिया। वहीं आयरलैंड की ओर से एंडी मैकब्रायन ने सबसे ज्यादा चार जबकि क्रेग यंग ने तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को आयरलैंड ने 45 ओवर में आठ विकेट पर 214 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसेन पहली ही गेंद पर विलियम पोर्टरफील्ड का विकेट खो दिया। इसके बाद भी उसके बल्लेबाजों ने हिम्मत नहीं हारी और डटे रहे।

टीम के कप्तानी संभाल रहे पॉल स्टर्लिंग ने 44 रन बनाए। वहीं इसके बाद एंडी मैकब्रायन ने सबसे ज्यादा 59 रन बनाये। वहीं हैरी टेक्टर ने तेज से बल्लेबाजी करते हुए 76 गेंद में 52 रनों का योगदान दिया। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के अकील हुसैन ने तीन गेंद में लगातार दो विकेट लेकर मैच का रुख पलटने का प्रयास किया पर यंग ने चौका लगाकर आयरलैंड को जीत दिला दी।

इक्वेटोरियल गिनी ने अल्जीरिया को हराया

डुआला (ईएमएस)। अल्जीरिया की टीम अफ्रीकी नेशंस कप फुटबॉल में हार गयी है। इक्वेटोरियल गिनी ने गत चैम्पियन अल्जीरिया को 1-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया है। गिनी की ओर से एस्टेबान ओगियांग ने 70वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया। इसके साथ ही अल्जीरिया का चार साल का विजय अभियान भी समाप्त हो गया है। पहले मैच में सियरा लियोन से ड्रॉ खेलने वाली अल्जीरिया टीम ग्रुप ई में सबसे नीचे है। अब उसे अंतिम मैच में पूर्व चैम्पियन आइवरी कोस्ट से खेलना है। वहीं अन्य मैचों में सियरा लियोन ने आइवरी कोस्ट को 2-2 से ड्रॉ पर रोका जबकि जांबिया का मुकाबला माली से 1-1 से बराबरी पर रहा। टयूनीशिया ने एक अन्य मैच में मौरिटानिया को 4-0 से हराया ।

बीसीसीआई ने कोहली को विदाई मैच खेलने का प्रस्ताव दिया था

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से अचानक ही इस्तीफा देकर विराट कोहली ने सभी को हैरान किया है जबकि विराट कप्तान के तौर पर अपने 100वें टेस्ट से एक मैच ही दूर थे। विराट के पास अगले माह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज में 100वां टेस्ट खेलने का अवसर था। एक रिपोर्ट के अनुसार जब विराट ने कप्तानी छोड़ने की बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को बतायी तब एक अधिकारी ने उनसे कप्तान के रूप में विदाई मैच बेंगलुरू में खेलने का प्रस्ताव दिया था पर विराट ने इंकार कर दिया। विराट ने कहा कि एक मैच से कोई फर्क नहीं पड़ता। कोहली ने अपनी कप्तानी का समापन हार के साथ किया। भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका की मेजबानी करेगी। श्रीलंकाई टीम भारत दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला टेस्ट बेंगलुरू में खेला जाएगा जो कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी ने भी साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न टेस्ट ड्रॉ के बाद कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी उस समय धोनी ने 90 टेस्ट मैच खेले। कोहली ने जब टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया तो उन्होंने खासतौर पर धोनी को भी धन्यवाद कहा, जिन्होंने उनमें बतौर कप्तान विश्वास जताया। विराट के लिए गत दो साल अच्छे नहीं गुजरे हैं जहां उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी नहीं रही और वह एक शतक तक नहीं लगा पाये। वहीं वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में भी सफल नहीं रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम को मिली हार के बाद उनपर दबाव बढ़ता जा रहा था और उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा था।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का पहला मुकाबला ईरान से होगा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम गुरुवार को यहां ईरान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। ईरान के अलावा, भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में चीनी ताइपे के साथ 23 जनवरी और चीन के साथ 26 जनवरी को खेलेगी। भारतीय टीम की मिडफील्डर इंदुमती कथैरेसन के अनुसार एएफसी महिला एशियाई कप के अपने पहले मैच में अच्छी शुरुआत से भारतीय टीम को लाभ होगा। इंदुमती ने कहा, ''हमारे लिए पहले मैच में ही अच्छी शुरुआत करना अहम रहेगा। इससे में हमें आगे बढ़ने आत्मविश्वास मिलेगा।''उन्होंने कहा, '' हम कुछ साल पहले हीरो गोल्ड कप में ईरान के खिलाफ खेले थे और वे अच्छी टीम हैं। वे एक ऐसी टीम है जिसने एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है और वे सम्मान के पात्र हैं। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है, पर अति-आत्मविश्वास नहीं है।'' टीम की अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी दांगमेई ग्रेस ने कहा, '' यह दुख की बात है कि एशियाई कप में हमारा समर्थन करने के लिए प्रशंसक नहीं होंगे, खासकर जब हम इसकी मेजबानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के कारण टीम को बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) में रहना पड़ रहा है और महाराष्ट्र के तीन शहरों मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में ही इसे आयोजित किया जा रहा है।

भाजपा वाले देशवासियों को आपस में लड़ाना चाहते हैं और देश के टुकड़े करना चाहते हैं - महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू दौरे में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा वाले देशवासियों को आपस में लड़ाना चाहते हैं और देश के टुकड़े करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये समय भाजपा वालों से पीछा छुड़ाने का है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, '70 साल पहले भारत के लोगों को देश को अंग्रेजों से आज़ाद कराने का मौका मिला। हमारे पास मौका है भाजपा से जान छुड़ाने का। यह उस आज़ादी से भी बड़ी आज़ादी होगी क्योंकि ये इस देश के टुकड़े करना चाहते हैं। ये हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई को बांटना चाहते हैं।' प्रशासन को निशाने पर लेते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को प्रशासन के जन विरोधी कार्यों व फैसलों का कड़ा विरोध करना चाहिए।

यह पहली बार नहीं है जब महबूबा मुफ्ती ने बीजेपी पर इस तरह से हमला किया है, इससे पहले भी वह कई मौकों पर भाजपा को निशाने पर लेती रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा था, 'जम्मू कश्मीर में शांति सुनिश्चित करने के नाम पर भारी सैन्य उपस्थिति के साथ लोगों को मौलिक अधिकारों से वंचित करने और एक राजनीतिक विचारधारा को लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। जबरदस्ती के उपाय आपको कुछ समय दे सकते हैं लेकिन इससे शांति नहीं आएगी।'

अखिलेश यादव ने लिया अन्न संकल्प, भाजपा को चुनाव में हराएंगे और हटाएंगे

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी किसानों को साधने में जुट गई है। इसी कड़ी में सोमवार को अखिलेश यादव ने मुट्ठी में गेहूं और चावल लेकर अखिलेश के साथ कई लोगों ने अन्न संकल्प लिया। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि हम सभी लोग संकल्प लेते हैं कि जिन्होंने किसानों पर अन्याय और अत्याचार किया, उन्हें चुनाव में हराएंगे और हटाएंगेइस मौके पर अखिलेश के साथ किसान नेता तेजिंदर सिंह विर्क भी थेअखिलेश ने दावा किया कि जब लखीमपुर खीरी कांड हुआ था उस वक्त तेजिंदर भी गाड़ी के टक्कर लगने से जख्मी हुए थे।

अन्न संकल्प के दौरान अखिलेश ने किसानों से कई बड़े वादे भी किए हैं। अखिलेश ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है,तब गिफ्ट गन्ना किसानों को 15 दिन में भुगतान किए जाएंगे। उन्होंने किसानों को मुफ्त में बिजली देने और ब्याज मुक्त लोन तथा बीमा की देने की बात कही है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी, गन्ना किसानों को 15 दिन में उनका भुगतान, किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त, ब्याजमुक्त लोन, किसानों के लिए बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था को शामिल किया जाएगा। भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि वे बताएं कि राज्य में कितनी स्मार्ट सिटी बन गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 86 अंक , निफ्टी 52 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन, उर्जा, आईटी और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 85.88 अंक करीब 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ ही 61,308.91 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 52.35 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी बढ़कर 18,308.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर करीब तीन फीसदी की बढ़त के साथ सबसे ज्यादा उछले। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, टीसीएस, एलएंडटी, एसबीआई और एचयूएल के शेयरों को भी लाभ हुआ।

वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी टेक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड और सन फार्मा के शेयरों में 5.89 फीसदी तक की गिरावट आई। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय बाजार को एशियाई बाजारों के मिले-जुले रुख से बल मिला। दोपहर के सत्र में बाजारों को इससे थोड़ी मजबूती मिली जिससे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का तीन महीने से जारी बिकवाली का रुझान बदला हालांकि वित्तीय, आईटी एवं स्वास्थ्य देखभाल कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन से यह लाभ अधिक नहीं बढ़ पाया।

इस साल टीसीएस करेगी एक लाख कर्मचारियों की नियुक्ति

मुंबई (ईएमएस)। देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) चालू वित्त वर्ष का समापन 1 लाख नए स्नातकों की भर्ती के साथ करेगी, जो एक वित्त वर्ष में किसी आईटी कंपनी या बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा की जाने वाली सर्वाधिक भर्ती होंगी। टीसीएस चालू वित्त वर्ष में अब तक 77,000 फ्रेशर की नियुक्ति कर चुकी है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022 के लिए पहले रखे गए 55,000 भर्तियों के लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 40,000 फ्रेशर को नौकरी पर रखा था। टीसीएस के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि तीसरी तिमाही में हम 34,000 भर्तियां करेंगे। हालांकि चौथी तिमाही के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं लेकिन इतना कहा जा सकता है कि भर्तियों की रफ्तार बरकरार रहेगी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में टीसीएस ने 43,000 फ्रेशरों को नियुक्त किया था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 34,000 और फ्रेशर को अपने साथ जोड़ा, जिससे कुल भर्तियां 77,000 पहुंच गईं। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी में अनुभवी लोगों की नियुक्तियां भी पिछली कुछ तिमाहियों की तुलना में ज्यादा रही हैं। एक विश्लेषक ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि हमारे अनुमान के अनुसार तीसरी तिमाही में टीसीएस ने 20,000 अनुभवी पेशेवरों को नियुक्त किया है और चौथी तिमाही में यह आंकड़ा 30,000 रह सकता है। अगर टीसीएस चौथी तिमाही में अतिरिक्त 30,000 फ्रेशर भर्ती नहीं भी करती है तो चालू वित्त वर्ष में कुल नियुक्तियां एक लाख से ज्यादा होंगी।

भारत में 50 स्टार्टअप 2022 में बन सकते हैं यूनीकॉर्न

मुंबई (ईएमएस)। भारत में करीब 50 स्टार्टअप 2022 में यूनीकॉर्न बन सकते हैं, यानी उनका मूल्यांकन बढ़कर एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। यह बात एक सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक कही गई है। सोमवार को आई इस रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप की कुल संख्या 100 से अधिक हो सकती है। भारत में 2021 के दौरान सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली और इस दौरान यूनीकॉर्न की संख्या बढ़कर 68 हो गई। देश ने 2021 में 43 यूनीकॉर्न जोड़े। ?रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया गया। फर्म के एक भागीदार ने कहा कि ?वित्तीय वर्ष 2021 में वृद्धि स्तर के सौदे तेजी से बढ़े, जो यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने की क्षमता रखने वाली कंपनियों के मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के प्रति बाजार की धारणा अनुकूल है, और 2022 के आ?खिर तक यूनिकॉर्न की संख्या 100 से अधिक हो जाएगी।

एसबीआई स?हित अन्य बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ाई

मुंबई (ईएमएस)। देश में कोरोना वायरस महामारी के मामले बढ़ने के बावजूद से ही बैंकों ने लगातार फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में कटौती की है और लोगों को अच्छे रिटर्न नहीं मिले हैं लेकिन अब भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एक साल से लेकर दो साल से कम की अवधि के लिए फिक्स डिपॉजिट पर ब्याज दर 5.0 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दी गई है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 5.50 फीसदी से बढ़ाकर 5.60 फीसदी कर दी गई है। एसबीआई ने नई दरें 15 जनवरी 2022 से ही लागू हो गई हैं। हालांकि अन्य टेन्योर वाले एफडी पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एचडीएफसी बैंक ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई ब्याज दरें 12 जनवरी 2022 से लागू हो गई हैं। बैंक ने चुनिंदा अवधि पर दरों में वृद्धि की है। दो साल से तीन साल में मैच्योर होने वाली एफडी अब 5.20 फीसदी का लाभ मिलेगा। तीन से पांच साल में मैच्योर होने वाली जमाओं पर अब 5.40 फीसदी और पांच से 10 साल तक की एफडी पर 5.60 फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं अन्य अवधि की एफडी पर ब्याज दरें अपरिवर्तित रहेंगी। कोटक महिंद्रा बैंक ने भी विभिन्न अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दर में वृद्धि की है। 7 से 30 दिनों, 31 से 90 दिनों और 91 से 120 दिनों में परिपक्व होने वाली एफडी के लिए, कोटक महिंद्रा बैंक क्रमशः 2.5 फीसदी, 2.75 फीसदी और तीन फीसदी की ब्याज दर प्रदान करेगा। ये दरें 6 जनवरी 2022 से लागू हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 2021 में 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना वायरस महामारी की चुनौतियों के बीच चीन की अर्थव्यवस्था 2021 में 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन की अर्थव्यवस्था में पिछले साल की चौथी तिमाही में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीसरी तिमाही के मुकाबले कम है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत थी। सरकार ने 2021 के लिए छह प्रतिशत वृद्धि दर का लक्ष्य रखा था, हालांकि इस दौरान चीन ने 8.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल की। चीन की एक सरकारी संवाद एजेंसी ने कहा कि ये वृद्धि महामारी से पुनरुद्धार और एक जटिल विदेश व्यापार दशाओं के बीच हासिल की गई। एनबीएस ने सोमवार को कहा कि चीन की जीडीपी वार्षिक आधार पर 8.1 फीसदी बढ़कर 1,14,370 अरब युआन (लगभग 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गई है। एनबीएस के आंकड़ों से पता चलता है कि वृद्धि दर छह प्रतिशत के सरकारी लक्ष्य से काफी अधिक है। चीन में इससे पिछले दो साल की औसत वृद्धि दर 5.1 प्रतिशत थी।

मोबाइल फोन के पुर्जो पर कर बढ़ाने से उत्पाद प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगेः आईसीईए

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोबाइल फोन विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले पुर्जों पर आयात शुल्क घटाने की मांग करते हुए उद्योग संगठन आईसीईए ने कहा कि पुर्जों पर कर बढ़ाने से पीएलआई योजना के तहत भारत में बनने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगे। उद्योग संगठन इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने अनुरोध किया है कि आगामी बजट में माल एवं सेवा कर को वर्तमान के 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी किया जाए क्योंकि कर घरेलू बाजार एवं विनिर्माताओं की वृद्धि के लिए अवरोधक है। आईसीईए के चेयरमैन पंकज महिंद्रो ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जनवरी 2020 से पहले भारत में जारी विनिर्माण के लिए चीन और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में आंशिक लागत कमी को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन राशि देती है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के आम बजट में कर ढांचे में बदलाव के बाद लागत अक्षमता और बढ़ गई। सैमसंग और एप्पल के अनुबंधित विनिर्माता पीएलआई योजना के तहत सबसे बड़े निवेशक हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस योजना के तहत 10.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन का विनिर्माण किया जाए। आईसीईए ने कहा कि मार्च 2020 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी किया गया, इस वृद्धि को वापस लेना चाहिए क्योंकि इससे डिजिटल इंडिया अभियान की रफ्तार कम हो रही है और विनिर्माताओं की वृद्धि प्रभावित हो रही है।

बच्चों के वैक्सीनेशन को लेकर गुड न्यूज़ मार्च से लग सकता है 12-14 साल के बच्चों को टीका

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना की बेकाबू रफ्तार के बीच देश में जोर शोर से वैक्सीनेशन अभियान चल रहा है। कोविन पोर्टल के मुताबिक 15-17 आयु वर्ग में 3,45,35,664 वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। इस आयु वर्ग करीब साढ़े 7 करोड़ बच्चे हैं। जिस रफ्तार से 15 से 17 साल के आयु वर्ग के बच्चों में टीकाकरण हो रहा है उससे उम्मीद की जा रही है कि फरवरी के अंत तक उस आयु वर्ग का टीकाकरण हो जाएगा। जिसके बाद 12 से 14 आयु वर्ग में टीकाकरण शुरू कर सकते है। भारत में 12 से 18 साल के बच्चों को कोरोना की वैक्सीन देने की ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने मंजूरी दे दी है। भारत बायोटेक की कोवैक्सिन 12 से 18 साल के आयु वर्ग में दी जा सकती है। अभी 15 से 17 ऐज ग्रुप में यही वैक्सीन दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय और के सूत्रों के मुताबिक मार्च तक 15 से 17 आयु वर्ग का टीकाकरण होने के बाद इन बच्चों का वैक्सीनेशन भी शुरू किया जा सकता है और इसके लिए वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं इसको लेकर नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन बैठक में फैसला करेगी।गौरतलब है कि इसी वर्ष के प्रारंभ से आज से बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू हो गया है। देश में 15-18 आयु वर्ग के 8 करोड़ बच्चे हैं, जबकि करीब साढ़े 6 करोड़ स्कूली बच्चे हैं। कोविन एप पर अबतक 15 से 18 साल के 8 लाख बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। मतलब अभी रजिस्ट्रेशन करीब 1 फीसदी लोगों का ही हुआ है। 9वीं और 10वीं में 3185 करोड़ बच्चे हैं। 11वीं और 12वीं में 216 करोड़ बच्चे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नए दिशानिर्देशों के अनुसार, 15-18 आयु वर्ग के लोगों को केवल कोवैक्सीन ही दी जाएगी। कोवैक्सीन की दूसरी डोज 28 दिन बाद दी जानी है। देश की वयस्क आबादी को कोवैक्सीन के अलावा कोविशील्ड और स्पुतनिक वी टीके दिए जा रहे हैं। बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए दिल्ली में 159 सेंटर चिन्हित किए गए। दिल्ली सरकार के दिल्ली स्टेट हेल्थ मिशन ने लिस्ट जारी की है। ज्यादातर वैक्सीनेशन सेंटर वही हैं, जहां पहले से ही को-वैक्सीन के डोज लगाए जा रहे थे। सबसे ज्यादा 21 वैक्सीनेशन सेंटर्स साउथ वेस्ट जिले में हैं। स्कूलों में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर के लिए खास प्रोटोकॉल तैयार किए गए हैं।

शिवसेना नेता संजय राउत का बीजेपीपर बड़ा निशाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिवसेना भी यूपी में चुनाव लड़ेगी। इसलिए यूपी में चल रहे जुबानी जंग में अब वो भी कूद गई है। संजय राउत ने यूपी चुनाव को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ और अखिलेश दोनों पर निशाना साधा। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि योगी को क्या तैरती लाशें वोट देंगी। संजय राउत ने कहा कि अखिलेश यादव को पूरा ध्यान चुनाव पर लगाना चाहिए। अखिलेश यादव को भी सबको साथ लेकर ये लड़ाई लड़नी होगी। अहंकार सबको डुबाता है। लोग बहुत बड़ी अपेक्षा के साथ उन्हें देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यूपी में आराजकता, गंगा में बहती लाशें सभी ने देखी। जिंदा लोग बीजेपी को वोट नहीं देंगेइससे पहले यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा था कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में शिवसेना 50-100 सीटों पर चुनाव लड़ेगीछ हालांकि इससे पहले शिवसेना के द्वारा यूपी चुनाव में गठबंधन में चुनाव लड़ने की चर्चा थी। शिवसेना से समाजवादी पार्टी के गठबंधन को लेकर लगातार अटकलें चलती रही हैं। इससे पहले दिसंबर में ही शिवसेना के राज्य प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह ने शिवसेना के यूपी चुनाव लड़ने की बात को स्पष्ट कर दिया था। लेकिन उस वक्त उन्होंने चुनाव को लेकर सभी बातें स्पष्ट नहीं की थीं।

इंडोनेशिया में कोरोना से लगातार खराब हो रहे हालात

जकार्ता (ईएमएस)। दुनिया भर में कोविड-19 का संकट बढ़ता जा रहा है। ओमिक्रोन वैरिएंट के आने के बाद मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वहीं इंडोनेशिया में हालात आए दिन बिगड़ते जा रहे हैं। रविवार को कोरोना के 855 नए मामले सामने आए, इसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,271,649 हो गई हैइसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी।

रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोना से 3 मौतें हुई हैं,इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 144,170 हो गई, जबकि एक दिन में कोरोना से 710 लोग ठीक हुए हैं, जिससे कुल रिकवर होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,118,874 हो गई है। सम्रुद्री और निवेश मामलों के समन्वय मंत्री ने कहा, सरकार ने हर दो सप्ताह के बजाय हर हफ्ते अपने चार-स्तरीय कोरोना प्रतिबंधों का मूल्यांकन करने का फैसला किया है, क्योंकि द्वीपसमूह देश में ओमिक्रोन वैरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, देश में अभी तक ओमिक्रोन वैरिएंट से कोई मौत नहीं हुई है। उन्होंने सुझाव दिया कि कंपनियां दो सप्ताह के लिए घर से काम करने की नीति लागू कर रही हैं। ताकि बढ़ते मामलों पर रोक लग सके।

इंडोनेशिया की सरकार कोरोना को बढ़ने से रोकने के लिए अपने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों में तेजी ला रही है, जिसमें अब तक 17.63 करोड़ से ज्यादा लोगों को दो टीकों की पहली खुराक दी गई है, जबकि 11.974 करोड़ से ज्यादा लोगों को दूसरी खुराक दी गई है। देश में 20.82 करोड़ लोगों को पूरी तरह से टीकाकरण करने के लक्ष्य के साथ, इंडोनेशिया की सरकार ने तीसरी बूस्टर खुराक सहित 29.738 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी हैं।

टोंगा में फिर भीषण ज्वालामुखी फटा, सुनामी से बंद हुआ इंटरनेट

-अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश पेरू तक देखा गया इसका प्रभाव

वेलिंग्टन (ईएमएस)। गर्म लावे के लिए कुख्यात प्रशांत महासागरीय देश टोंगा में एक बार फिर से जोरदार ज्वालामुखी फटा है। ताजा विस्फोट रविवार को हुआ है। 4 दिन पहले ही टोंगा में भीषण ज्वालामुखी विस्फोट हुआ था और उसके बाद भूकंप और सुनामी आई थी। सुनामी की लहरों का असर अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश पेरू तक देखा गया था। टोंगा में सुनामी के कारण इंटरनेट बंद है और पीने का पानी खराब हो गया है। इंटरनेट न होने की वजह से नुकसान का अनुमान नहीं लग पाया है। डार्विन के एक निगरानी स्टेशन ने बताया कि टोंगा में एक बार से जोरदार विस्फोट हुआ है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में अभी और ज्यादा विस्फोट हो सकते हैं। इस बीच समुद्र के भीतर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद प्रशांत महासागर के आसपास सुनामी का खतरा रविवार को कम होना शुरू हो गया, लेकिन छोटे से द्वीपीय राष्ट्र टोंगा के ऊपर बड़े पैमाने पर राख के बादल छा गए। टोंगा में हुए नुकसान का आकलन करने के लिए न्यूजीलैंड से निगरानी उड़ानें भी नहीं भेजी जा सकीं।

उपग्रह की तस्वीरों में शनिवार शाम को हुए भीषण विस्फोट के बाद प्रशांत महासागर के ऊपर राख, भाप और गैस की मोटी परत दिख रही थी। विस्फोट की आवाज अलास्का जितनी दूर तक सुनी जा सकती थी। टोंगा में समुद्र की भयानक लहरें तटों तक पहुंचने लगीं और लोग जान बचाने के लिए जल्दबाजी में ऊंचे स्थानों पर जाने लगे। ज्वालामुखी विस्फोट से टोंगा में इंटरनेट पूरी तरह ठप हो गया जिससे दुनिया भर में लोग वहां अपने परिजनों, दोस्तों की खैरियत जानने के लिए बैचेन होने लगे। सरकार की वेबसाइट और अन्य माध्यमों पर भी रविवार दोपहर तक कोई अद्यतन जानकारी नहीं दी गई थी। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने कहा कि टोंगा में अभी तक किसी के घायल होने या मरने की कोई आधिकारिक रिपोर्ट नहीं है। साथ ही कहा कि अधिकारियों का अभी तक कुछ तटीय क्षेत्रों और छोटे द्वीपों से संपर्क नहीं हो पाया है। आर्डर्न ने कहा, 'टोंगा के साथ संचार संपर्क बहुत सीमित है। मैं जानती हूं कि यहां टोंगा के लोग काफी चिंतित हैं।' उन्होंने कहा कि टोंगा के तटवर्ती इलाकों में नावों और दुकानों को काफी नुकसान हुआ है। टोंगा की राजधानी नुकुलोफा ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख से ढकी हुई थी। आर्डर्न ने कहा कि पेयजल का पानी भी दूषित हो गया है और सबसे ज्यादा साफ पेयजल की जरूरत है। राहत एजेंसियों ने कहा कि राख और धुएं की मोटी परत के कारण अधिकारियों ने लोगों को मास्क पहनने और बोतलबंद पानी पीने के लिए कहा है। आर्डर्न ने कहा कि न्यूजीलैंड रविवार को टोंगा के ऊपर निगरानी उड़ान भेजने में असमर्थ रहा क्योंकि राख का बादल 63,000 फुट (19,000 मीटर) तक छाया हुआ था। सोमवार को फिर से विमान भेजने के प्रयास किए जाएंगे। जहाजों और विमानों के जरिए जरूरी सामान पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी। पामर, अलास्का में राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के सुनामी चेतावनी समन्वयक डेव स्नाइडर ने कहा कि ज्वालामुखी विस्फोट से पूरे महासागर बेसिन को प्रभावित होना बहुत ही असामान्य था और यह बहुत खौफनाक दृश्य था। स्नाइडर ने बताया कि ज्वालामुखी विस्फोट के बाद समुद्र में उठी भीषण लहरों ने न्यूजीलैंड और सांताक्रूज, कैलिफोर्निया तक नावों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन कोई व्यापक क्षति नहीं हुई। स्नाइडर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका और अन्य जगहों पर सुनामी का खतरा कम होता जाएगा। इससे पहले जापान, हवाई, अलास्का और अमेरिका के प्रशांत तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। 'यूएस जियोलॉजिकल सर्वे' ने अनुमान लगाया कि 5.8 तीव्रता के भूकंप के समान विस्फोट हुआ। वैज्ञानिकों ने कहा कि भूकंप के बजाय ज्वालामुखी से उत्पन्न सुनामी अपेक्षाकृत दुर्लभ है।

'मैं मोदी को मार सकता हूं', आपत्तिजनक बयान देकर फंसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटोले

- अब दी सफाई, कहा- मैं एक स्थानीय गुंडे की बात कर रहा था

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के आपत्तिजनक बयान ने राज्य में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है, हालांकि पटोले ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है उन्होंने पीएम मोदी के संबंध में कोई आपत्तिजनक बयान नहीं दिया। बल्कि उन्होंने एथनीय गुंडे मोदी की बात कर रहे थे. एक विज्ञप्ति जारी कर नाना पटोले कहा है कि मेरा एक बयान सोशल मीडिया और मीडिया में वायरल हुआ है जिसमें मैं मोदी नाम के एक व्यक्ति को मारने और गाली गलौज करने की बात कर रहा हूं. मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उस इलाके का एक लोकल गुंडा, जिसका नाम मोदी है, मैं उसकी बात कर रहा हूं. पीएम मोदी के संबंध में मैंने कोई ऐसा बयान नहीं दिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर चल रहे उनके बयान में कहा गया है कि मैं मोदी को मार भी सकता हूं. मैं मोदी को गाली भी दे सकता हूं. ये बयान महाराष्ट्र के भंडारा में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव प्रचार के बाद कार्यकर्ताओं के सामने पटोले ने दिया था. उधर मामले को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस ने भी सफाई दी है. महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि वो एक स्थानीय गुंडे की बात कर रहे थे. वे उसी के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन भाजपा को लगा कि वे पीएम मोदी के बारे में बोल रहे हैं. उनका दिया गया बयान प्रधानमंत्री मोदी के लिए था ही नहीं.

अफगानिस्तान में पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग घटनाओं में 38 लोगों की मौत

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान के काबुल, हेरात, फरयाब, लगमान और नंगरहार प्रांतों में पिछले सप्ताह अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 38 लोगों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हुए। रिपोर्टों के अनुसार, अज्ञात लोगों ने हेरात में एक मनी चेंजर की हत्या कर दी और लगमान में एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और एक छोटा घायल हो गया। जबकि, नंगरहार के लालपुरा जिले में दो विस्फोटों में नौ छात्रों और दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चार बच्चे और एक महिला घायल हो गई।

काबुल में, एक परिवार ने कहा कि 13वें पुलिस जिले की सीमा में एक चौकी पर गोलीबारी में उनकी बेटी की मौत हो गई, वहीं फरयाब के बलचारग जिले में दो गुटों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मैमाना में सुरक्षा बलों के बीच आकस्मिक गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इसमें कहा गया है कि मैमाना में एक विरोध हिंसक हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार घायल हो गए। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पिछले हफ्ते राजधानी काबुल में दो धमाकों की सूचना मिली थी, जिसमें दो नागरिक घायल हो गए थे।

तानाशाह ने फिर दागी दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र में

सियोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि अमेरिका के साथ ठप पड़े कूटनीति संबंधों और कोरोना के महेनजर सीमा बंद होने के बीच अपनी सेना की ताकत प्रदर्शित करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र में दागींजनवरी माह में उ.कोरिया द्वारा किया गया यह चौथा प्रक्षेपण है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें सुनान में एक स्थान से दागीं, लेकिन मिसाइल कितनी दूर जाकर गिरी इसकी तत्काल कोई जानकारी नहीं दी।सुनान में प्योंगयांग का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि मिसाइलों ने अमेरिकी कर्मियों, क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा उत्पन्न नहीं किया, लेकिन उत्तर कोरिया के ''अवैध'' हथियार कार्यक्रम के अस्थिर प्रभाव को रेखांकित किया है। जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने कहा कि मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं।

वहीं, मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजु मात्सुनो ने इस शांति के लिए खतरा बताकर उत्तर कोरिया के इन कृत्यों की निंदा की। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन ने अधिकारियों को कोरियाई प्रायद्वीप पर ''स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक प्रयास'' करने का निर्देश दिया। संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर गए इन के कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति इन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने प्योंगयांग के साथ परमाणु कूटनीति को बहाल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा पांच जनवरी और 11 जनवरी को एक कथित हाइपरसोनिक मिसाइल के उड़ान परीक्षण और शुक्रवार को एक ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किए जाने के बाद किया गया। इसे पिछले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन द्वारा उसके निरंतर प्रक्षेपण के खिलाफ लगाए नए प्रतिबंधों का एक स्पष्ट प्रतिशोध माना जा सकता है। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में क्षेत्र में कई नई मिसाइलों का परीक्षण किया है।

नेपाल ने भारत के लिपुलेख सड़क निर्माण पर जताया एतराज, बोला- पूरा इलाका हमारा

-पीएम मोदी ने हल्द्वानी की चुनावी रैली में लिपुलेख सड़क के निर्माण की थी घोषणा

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल ने पड़ोसी देश भारत के एक सड़क प्रोजेक्ट को लेकर एतराज जताया है जिससे भारत-नेपाल के बीच सीमा विवाद बढ़ता जा रहा है। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख में सड़क के निर्माण एवं विस्तारीकरण की भारतीय परियोजना पर आपत्ति दर्ज की है। नेपाल ने रविवार को भारत से कहा है कि वह पूर्वी कालीं नदी के क्षेत्रों में एकतरफा रोड के निर्माण और विस्तार की कार्रवाई को रोक दे। हालांकि नेपाल ने इसके लिए औपचारिक कूटनीतिक विरोध दर्ज नहीं किया है। नेपाल इस रोड के निर्माण को रोके जाने का विरोध 30 दिसंबर 2021 से ही कर रहा है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हल्द्वानी की अपनी चुनावी रैली में लिपुलेख सड़क के निर्माण की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार इस सड़क का चौड़ीकरण करेगी।

एक अखबार के मुताबिक नेपाल लिपुलेख क्षेत्र पर अपना दावा जता रहा है। नेपाल के सूचना और प्रसारण मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की ने कहा है, कालीं नदी का पूर्वी इलाका लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल का अभिन्न हिस्सा है और इस इलाके में किसी भी तरह का निर्माण भारत को नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत और नेपाल के बीच किसी भी तरह के सीमा विवाद का हल ऐतिहासिक दस्तावेजों, नक्शों और साक्ष्य दस्तावेजों के आधार पर कूटनीतिक माध्यमों से किया जाना चाहिए जो दोनों देशों के बीच मौजूद द्विपक्षीय संबंधों की भावना के अनुरूप हो। लिपुलेख दर्रा कालापानी के पास एक सुदूर पश्चिमी स्थान है, जो नेपाल और भारत के बीच का सीमा क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में दावा करते हैं। भारत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्से के रूप में और नेपाल धारचूला जिले के हिस्से के रूप में इसे अपना क्षेत्र मानता है।

नेपाल का ताजा बयान उस समय आया है जब भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जहां पर सड़क का निर्माण किया जा रहा है वह क्षेत्र भारत में स्थित है। हालांकि भारत ने यह भी कहा कि किसी भी तरह के विवाद का समाधान द्विपक्षीय दोस्ती की भावना के अनुरूप बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने अपने बयान में कहा है कि भारत-नेपाल सीमा पर भारत सरकार का रुख सर्वविदित, सुसंगत और स्पष्ट है। इस बारे में नेपाल सरकार को अवगत करा दिया गया है। हालांकि बयान में यह भी कहा गया कि हमारा विचार है कि स्थापित अंतर-सरकारी तंत्र और माध्यम संवाद के लिए सबसे उपयुक्त हैं। पारस्परिक सहमति से बाकी सीमा मुद्दों का हमेशा हमारे करीबी और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की भावना के अनुसार समाधान किया जा सकता है।

कालापानी औ? लिपुलेख इलाकों पर दावे के कारण पिछले डेढ़ साल से भारत और नेपाल के रिश्ते में खटास आई है। पिछले दिनों नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को गुजरात वाइब्रेंट बैठक में सम्मिलित होना था। हालांकि कोविड-19 के कारण बैठक रद्द कर दी गई लेकिन उनके आने की संभावना बहुत कम हो गई थी। यह मामला तब और बिगड़ गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों उत्तराखंड चुनावी रैली में इस रोड के निर्माण की घोषणा कर दी। नेपाल की अंदरूनी राजनीति में इस मामले में हलचल मची हुई थी। नेपाल के नेताओं में इस मामले को लेकर रोष है। नेपाल में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के लिए इसे सुलझाना काफी चुनौतीपूर्ण काम है।

सावधान! ओमिक्रॉन के बाद भी नए वैरिएंट्स की आहट बरकरार

वॉशिंगटन (ईएमएस)। वैश्विक महामारी कोरोना का प्रकोप थमता नहीं दिख रहा लगातार बढ़ते मामलों और ओमिक्रॉन के फैलने के बाद वैज्ञानिकों का कहना है कि ओमिक्रॉन का तेजी से फैलना इस बात का संकेत है कि आगे भी कोरोना के नए वैरिएंट सामने आ सकते हैं। विशेषज्ञों ने साफ किया कि तेजी से फैलता संक्रमण हर बार वायरस के म्यूटेंट में बदलाव का मौका देता है। कोरोना के अन्य स्वरूप की तुलना में ओमिक्रॉन ऐसे समय तेजी से फैल रहा है, जब दुनियाभर में कोरोना संक्रमण और कोरोनारोधी टीका लगने के बाद प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हुई है। इसका मतलब साफ है कि वायरस आगे भी अपना स्वरूप बदलेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि वायरस के नए वैरिएंट क्या होंगे और महामारी को किस तरह आकार देंगे, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। वहीं, विशेषज्ञों ने साफ किया कि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि ओमिक्रॉन संक्रमण से मामूली बीमार होंगे या मौजूदा टीका उसके खिलाफ प्रभावी होगा। बोस्टन विश्वविद्यालय के संक्रामक रोग महामारी विज्ञानी लियोनार्डो मार्टिनेज का कहना है कि ओमिक्रॉन नवंबर में सामने आया है और तेजी से दुनिया में फैल गया। शोध बताते हैं कि कोरोना का डेल्टा वैरिएंट से कोरोना का ये नया स्वरूप ज्यादा संक्रामक है। इससे उन लोगों के भी संक्रमित होने की संभावना है, जो पहले से ही कोरोना संक्रमित हो चुके हैं और ऐसे लोग जो कोरोना टीके की खुराक ले चुके हैं। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. स्टुअर्ट कैंपबेल रे का कहना है कि ऐसे स्वस्थ लोग जो घर या स्कूल से दूर हैं, उनमें भी ओमिक्रॉन आसानी से फैल सकता है। खासकर जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, ये उनमें रहकर वायरस के और शक्तिशाली म्यूटेशन विकसित कर सकता है। हालांकि ओमिक्रॉन से संक्रमित लोग डेल्टा की तुलना में कम गंभीर बीमार होते हैं।

वहीं विशेषज्ञों ने वायरस के समय के साथ कम घातक होने की संभावना जताई है। वे कहते हैं कि कोरोना का जब पहला स्वरूप सामने आया था तो कोई भी इससे नहीं बचा, टीके और संक्रमण दोनों ने ही दुनिया के अधिकांश हिस्सों में कोरोना के प्रति प्रतिरक्षा प्रणाली प्रदान की, लेकिन वायरस ने खुद को बदल लिया। वायरस के स्वरूप में बदलाव के कई संभावित कारण हैं। ये पशुओं में जाकर भी अपने स्वरूप में बदलाव कर सकता है। जैसा कि देखा गया है कि घर के पालतू कुत्तों, बिल्ली, हिरण आदि में वायरस पाया गया है। एक संभावना ये भी है कि कोरोना के दोनों स्वरूपों से संक्रमित हो चुके मरीज में जाकर वायरस अपना स्वरूप बदल ले। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक विश्व में टीकाकरण की दर कम है, तो इसपर रोक लगाना संभव नहीं है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रियस ने कहा कि भविष्य के वैरिएंट से लोगों की रक्षा करना इस बात पर निर्भर करता है कि दुनियाभर की 70 फीसदी आबादी को टीका लगाया जाए।

जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में ऐसे दर्जनों देश हैं जहां एक चौथाई से भी कम आबादी को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लोग टीके का विरोध कर रहे हैं। टोरंटो के सेंट माइकल अस्पताल में सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च के डॉ. प्रभात झा ने कहा कि अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और अन्य जगहों पर टीकाकरण की दर कम है, जो बड़ी विफलता है।

24 घंटों में गुजरात में 12753 नए मरीज, 5984 लोग हुए डिस्चार्ज, 5 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत गुजरातभर में कोरोना तेजी से पैर पसार रहा हैं। एक ही दिन में गुजरात में 12753 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 5984 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जबकि 5 मरीजों की कोरोना से जान चली गईं। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर घटकर 91.42 प्रतिशत हो गया हैं। आज राज्यभर में 2.63 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 4340 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए हैं। सूरत कॉर्पोरेशन में 2955, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1207, सूरत में 464, राजकोट कॉर्पोरेशन में 461, वलसाड में 340, नवसारी में 300, भरुच में 284, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 212, जामनगर कॉर्पोरेशन में 202, मोरबी में 182, मेहसाणा में 152, कच्छ में 149, पाटन में 122, राजकोट में 120, वडोदरा में 106, खेडा में 102, गांधीनगर में 96, बनासकांठा में 91, सुरेन्द्रनगर में 75, अहमदाबाद में 69, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 59, जामनगर में 55, गिर सोमनाथ में 51, आणंद में 44, अमरेली में 43, देवभूमि द्वारका में 41, नर्मदा में 35, भावनगर में 32, दाहोद में 31, पंचमहल में 31, महीसागर में 20, साबरकांठा में 20, पोरबंदर में 19, तापी में 19, जूनागढ़ में 10, बोटाद में 2, अरवल्ली में 1, छोटा उदेपुर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 12753 नए केस दर्ज हुए। जबकि 5984 लोगों के डिस्चार्ज होने के साथ ही राज्य में अब तक 858455 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटों में सूरत में 2, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन, सूरत कॉर्पोरेशन और पंचमहल में 1-1 समेत 5 लोगों की मौत के साथ राज्य में कोरोना से मरनेवालों की संख्या 10164 पर पहुंच गई हैं। राज्य में 70374 कोरोना के सक्रिय मरीजों में 70297 स्टेबल हैं और 95 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। सोमवार को राज्यभर में 263593 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 14 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 429 को दूसरा टीका लगाया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 7311 को कोरोना का पहला और 23942 दूसरा डोज दिया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 42220 को पहला और 62142 लोगों को कोराना का दूसरा टीका लगाया गया। वहीं 15 से 18 वर्षीय 58291 किशोरों को कोविड की पहली वैक्सीन दी गईं। जबकि 69244 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 9 करोड़ 50 लाख 62 हजार 411 नागरिकों का टीकाकरण किया जा चुका हैं।

गुजरात में 351 पुलिस अधिकारी और जवान हो चुके हैं कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अब पुलिस कर्मी कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। एक ही दिन में 85 पुलिस कर्मी कोरोना संक्रमित होने से इसका आंकड़ा 351 पर पहुंच गया है। जिसमें एसीपी, पीआई सहित कई लोग कोरोना संक्रमित हुए है। जिसमें से अधिकांश के पुलिस कर्मियों को होमआइसोलेट किया गया है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए राज्य सरकार ने वैक्सीनेशन पर विशेष जोर दिया है और पुलिस कर्मियों को बूस्टर डोज दिया जा रहा है। प्रति दिन प्लानिंग के मुताबिक प्रति पुलिस थाने में बूस्टर डोज दिया जा रहा हैं। सभी कोरोना संक्रमित अधिकारी और कर्मचारी होम आइसोलेट हैं और उनके स्वास्थ्य का अपडेट पुलिस आयुक्त कचहरी प्राप्त कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मियों को कोरोना के हलके लक्षण है, इसलिए तमाम कोरोना संक्रमित पुलिसकर्मियों को आइसोलेट किया गया है। केवल दो पुलिस कर्मी ही अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के मुताबिक एसीपी, 3 पीआई और 12 पीएसआई सहित 351 पुलिस कर्मी कोरोना संक्रमित पाये गये है। अहमदाबाद के कृष्णनगर, सोला और खोखरा पुलिस थाने में सबसे अधिक कोरोना के मामले सामने आए हैं।

फीस माफी में कोई राहत नहीं मिलने पर अभिभावकों में नाराजगी

अहमदाबाद, १७ जनवरी।

गुजरात में २५ फीसदी फीस माफ करने का परिपत्र नहीं किए जाने पर अधिकतर स्कूलों ने पूरी फीस वसूलने की जानकारी मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्व शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने २५ फीसदी माफी को लागू रखने की घोषणा करने के बाद अभी तक आधिकारिक रूप से फीस माफी का परिपत्र नहीं किए जाने से अभिभावकों को चालू वर्ष की पूरी फीस भरने की बारी आई है। अधिकतर स्कूलों ने अभिभावकों से चालू वर्ष की पूरी फीस वसूल ली है। उल्लेखनीय है कि, गत वर्ष पूर्व शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने टयुशन फीस में २५ फीसदी राहत देने की घोषणा की थी। इसके अलावा अन्य किसी भी प्रकार की फीस अभिभावकों से स्कूल वसूल नहीं सकेंगे यह भी बताया गया था। जिसकी वजह से स्कूलों ने अभिभावकों को फीस में २५ फीसदी राहत दी थी। हालांकि, इसके पहले स्कूल के संचालक कोर्ट तक गये थे। इस दौरान भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने जहां तक नई घोषणा नहीं हो तब तक २५ फीसदी फीस माफी का अमल चालू रहेगा ऐसी घोषणा की थी।

अहमदाबाद मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट दर अस्थाई रूप से 10 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये की गई

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर कोविड-19 के बढ़ते हुए केसों के मद्देनजर, कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए तथा रेलवे स्टेशनों पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से दिनांक 18 जनवरी 2022 से मंडल के अहमदाबाद, गांधीधाम, पालनपुर, महेसाणा, भुज, मणिनगर तथा साबरमती स्टेशनों पर अस्थाई रूप से प्लेटफॉर्म टिकट दर 10 से बढ़ाकर 30रुपये किया जा रहा है। यात्रियों से रेल प्रशासन का अनुरोध है कि कृपया रेलवे प्लेटफार्म एवं स्टेशनों तथा ट्रेनों में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइड लाइन का पालन करें।

गुजरात में आम आदमी पार्टी को एक और झटका, महेश सवाणी ने पार्टी से किनारा किया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को एक बड़ा झटका लगा हैं। शनिवार को मशहूर गायक विजय सुवाला ने आप को दाम छोड़ सोमवार को भाजपा जॉइन कर ली। विजय सुवाला के बाद अहमदाबाद आप की शहर उपाध्यक्ष नीलम व्यास ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। शाम ढलते ही आप की एक और बड़ी विकेट गिर गई। सोमवार को मशहूर हीरा कारोबारी महेश सवाणी के पार्टी से किनारा करने से गुजरात की राजनीति गरमा गई हैं। जानकारी है कि महेश सवाणी भी जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हांलाकि महेश सवाणी ने भाजपा में शामिल होने के बारे में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। बता दें कि गुजरात में राजनीतिक रूप से मजबूत पाटीदार समुदाय से आने वाले 51 वर्षीय महेश सवानी सालों से गरीब लड़कियों के सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन करते रहे हैं। यही कारण है कि महेश सवानी की अपने इलाके में अलग ही पकड़ हैं। आम आदमी पार्टी ने इस साल के अंत में होनेवाले गुजरात विधानसभा की सभी 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। लेकिन चुनाव से पहले गुजरात आम आदमी पार्टी से एक के बाद एक नेता जुदा रहे हैं। विजय सुवाला, नीलम व्यास के बाद अब महेश सवाणी ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया हैं। मीडिया के सवाल पर महेश सवाणी ने कहा कि वह अपने सेवा कार्यों पर अधिक ध्यान देना चाहते हैं। लेकिन भाजपा में शामिल होने के सवाल का मुस्कराते हुए गोल गोल जवाब दिया। उनका कहना था कि फिलहाल वह इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। विजय सुवाला के आप छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रत्येक स्वतंत्रता है और उसकी जहां मर्जी हो, जिसके साथ विचार मिलते हों और उस माहौल में काम कर सकता है, उसके साथ जुड़ सकता हैं। कल ही विजय सुवाला के साथ बातचीत हुई थी। जिसमें विजय सुवाला ने कहा था कि मैं पार्टी के लिए समय नहीं दे सकता, इसलिए आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। सवाणी ने कहा कि विजय सुवाला एक कलाकार हैं और वह अपने कार्यक्रमों में व्यस्त होने के कारण पार्टी को समय नहीं दे सकते होंगे। जबकि मैं अपने सेवा कार्यों में कोई अवरोध नहीं हो इसके लिए आम आदमी पार्टी छोड़ रहा हूं। आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद महेश सवाणी अपने सेवा कार्यों में व्यस्त रहते हैं या फिर भाजपा या कांग्रेस का दामन थामते हैं, यह आनेवाला वक्त ही बताएगा। माना जा रहा है कि महेश सवाणी भी जल्द ही भाजपा जॉइन कर सकते हैं।

छह महीने में 'आप' को अलविदा कर भाजपा में लौटे गायक विजय सुवाला

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा हैं। आप को यह झटका शनिवार को लग गया था, जब विजय सुवाला ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। करीब छह महीने तक आप में रहने के बाद आज विजय सुवाला वापस भाजपा में लौट आए। गुजरात भाजपा मुख्यालय कमलम में प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील ने विजय सुवाला का पार्टी में स्वागत किया। सीआर पाटील ने कहा कि विजय सुवाला आज फिर से अपने घर वापस आ गए हैं। दूसरी पार्टी में शामिल होने के बाद विजय सुवाला ने मुझसे मुलाकात की थी और वापस भाजपा में लौटने को कहा था। आज विजय सुवाला की घर वापसी हुई है और मैं उनका स्वागत करता हूं। दोबारा भाजपा जॉइन करने पर विजय सुवाला ने कहा कि सुबह का भूला शाम को अपने घर लौट आया हैं। आज का दिन मेरी जिंदगी के लिए काफी अमूल्य हैं। तीन पीढ़ी से मेरा परिवार भाजपा में हैं। भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल हैं। मैं सीआर पाटील के दिल में हूं, जो मुझे अपने बेटे जैसे रखते हैं। भाजपा से बेहतर और कोई संगठन मैंने नहीं देखा। जनसेवा के लिए मैं ग्राउंड पर उतरूंगा और तन मन धन से भाजपा की सेवा करूंगा। विजय सुवाला ने कहा कि मैंने दोस्ती के नाते आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। लेकिन वहां जाने के बाद अहसास हुआ कि भाजपा की ओर से सेवा करने का मुझे ज्यादा अवसर मिलेगा। क्योंकि भाजपा सत्ता में है और पन्ना प्रमुख तक भाजपा काफी मजबूत हैं। बता दें कि 6 महीने पहले आप में शामिल होने के बाद विजय सुवाला ने गांधीनगर कॉर्पोरेशन के चुनाव में जोरदार प्रचार प्रसार किया था। लेकिन आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। गांधीनगर चुनाव में हार के बाद विजय सुवाला निष्क्रिय हो गए थे। शनिवार को अचानक विजय सुवाला ने आप से इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद आप नेता ईशुदान गढ़वी समेत नेताओं ने विजय सुवाला को मनाने का काफी प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार को विजय सुवाला अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए।

हवा की दिशा बदलने से आगामी 3-4 दिन राहत के बाद फिर पड़ेगी कड़ाके की ठंड

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड में ठिठुर रहे गुजरात के लोगों को ठंड से कुछ राहत जरूर मिली हैं। लेकिन तीन-चार दिन के बाद राज्य में फिर एक बार ठंड बढ़ेगी। अहमदाबाद समेत राज्य के ज्यादातर शहरों का न्यूनतम तापमान बढ़ने से ठंड में सामान्य कमी आई हैं। आगामी तीन-चार दिन ठंड का पारा 3 से 5 डिग्री बढ़ने से ठंड घटने की संभावना हैं। मौसम विभाग के शीतलहर के असर से बीते एक सप्ताह न्यूनतम और अधिकतम तापमान गिरने से कड़ाके की ठंड ने समूचे गुजरात को अपनी आगोश में ले लिया था। पिछले 4 दिनों से अहमदाबाद का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहा। हांलाकि सोमवार से हवा की दिशा बदलने से उत्तर से उत्तर-पूर्व की हवा चलने से राज्य में ठंड से आंशिक राहत मिली हैं। अहमदाबाद का अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री दर्ज हुआ हैं। अहमदाबाद समेत राज्य के ज्यादातर शहरों का तापमान में 2 से 4 डिग्री की वृद्धि हुई हैं। 5.0 डिग्री के साथ कच्छ का नलिया राज्यभर में सबसे ठंडा शहर रहा। वहीं बनासकांठा के डीसा में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री और कच्छ में 10.6 डिग्री दर्ज हुआ।

जनसमस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के सारे दरवाजे खोल दिए: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि शासन दायित्व संभालने के पहले ही दिन से उनकी पूरी टीम ने जन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के सारे दरवाजे खोल दिए हैं। उनके नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में त्वरित निर्णय और सिलसिलेवार जनहित कार्यों से सुशासन की नई परिभाषा लिखी है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मौजूदा राज्य सरकार की जनसेवा यात्रा और सुशासन के सफल 121 दिन पूरे होने के अवसर पर सोमवार को गांधीनगर स्थित स्वर्णिम संकुल में आयोजित एक कार्यक्रम में 'सुशासन के 121 दिवस' पुस्तिका को लॉन्च करते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जनता-जनार्दन की सेवा करने के लिए उनके टीम को मिले अवसर और राज्य की विकास यात्रा को उज्ज्वल बनाने की परिश्रम-यात्रा की सफलता का श्रेय गुजरात के सभी नागरिकों के चरणों में समर्पित किया है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री राजेंद्रभाई त्रिवेदी, शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव पंकज कुमार और कई वरिष्ठ सचिवों सहित मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि उनकी नई 'टीम गुजरात' की मंशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिखाए सुशासन के पथ पर चलते हुए सभी को साथ रखकर, सभी के लिए चौतरफा विकास के संकल्प को साकार करने की है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि उनकी टीम साफ नीयत और नेक नीति से परिश्रम करते हुए पल-पल और क्षण-क्षण को राज्य की भलाई के लिए खपा देने को तत्पर है। पटेल ने 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के मंत्र के साथ कृषि, उद्योग, सेवा और समाज कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 121 दिनों के दौरान गुजरात की गति-प्रगति का विस्तृत ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में दो लाख किसानों ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है और आदिवासी बहुल डांग जिला संपूर्ण प्राकृतिक खेती वाला राज्य का पहला जिला बना है। उन्होंने यह घोषणा भी की कि राज्य सरकार प्राकृतिक खेती के दायरे का विस्तार करने के लिए 100 करोड़ रुपए की फंडिंग के साथ आगामी दिनों में ग्रामीण स्तर पर किसान तालीम कार्यक्रम, कृषि शिविर, गुणवत्ता जांच प्रयोगशालाएं और मास्टर ट्रेनिंग आदि सुविधाएं विकसित करने की कार्य योजना बनाएगी। उन्होंने संकल्प जताया कि देश के प्रत्येक घर को नल के जरिए शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए 'नल से जल' की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना के अंतर्गत पूरे गुजरात का अगले सितंबर, 2022 तक समावेश कर राज्य को सौ फीसदी नल से जल युक्त राज्य बनाएंगे। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि डांग, मोरबी, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, जामनगर और कच्छ सहित राज्य के छह अतिरिक्त जिलों को आगामी 31 जनवरी, 2022 तक शत प्रतिशत 'नल से जल' के अंतर्गत शामिल कर लिया जाएगा। इन छह जिलों के साथ राज्य में कुल 13 जिले पूरी तरह से नल-जल युक्त जिले हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी का संकट हो या फिर किसी अन्य प्राकृतिक आपदा का कहर, जनता के साथ खड़े रहकर उसे दिलासा और सहारा देने का सेवा धर्म निभाते हुए उनकी 'टीम गुजरात' अहर्निश तत्पर रही है। उन्होंने किसानों और मछुआरों को दी गई राहत का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में हुई बेमौसमी बारिश के चलते किसानों को पहुंचे नुकसान के एवज में दो चरणों में 1 हजार करोड़ रुपए से अधिक के कृषि सहायता पैकेज का लाभ 1530 प्रभावित गांवों के 5.06 लाख किसानों को दिया है। इसके साथ ही मछुआरों को भी 265 लाख रुपए के सहायता पैकेज का लाभ दिया गया है। पटेल ने यह जानकारी भी दी कि 121 दिनों के जनहितकारी शासन के दौरान जनाभिमुख प्रशासन और लोगों के कामकाज को आसान बनाने के लिए अनेक निर्णय किए गए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों के बीच हुई सुशासन की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की समग्र रैंकिंग में गुजरात ने पूरे देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यही नहीं, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन को सुशासन सप्ताह के रूप में मनाते हुए विभिन्न विकासपरक कार्यों के मार्फत जनता को लाभ देने के मामले में भी गुजरात आगे रहा है। मुख्यमंत्री ने उनकी सरकार द्वारा किए गए जनहित के निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऑनलाइन सूचना का अधिकार (आरटीआई) पोर्टल लॉन्च कर जनता की समस्याओं और शिकायतों को लेकर सजग रवैया अपनाया है। राजस्व सेवाओं का सरलीकरण कर 3.63 लाख नागरिकों के लिए 'ई-हस्ताक्षर' के जरिए राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराए हैं। निर्धारित सरकारी सेवाओं में शपथ पत्र से मुक्ति देकर स्वप्रमाणित घोषणा पत्र को मान्यता देने का ऐतिहासिक निर्णय किया है। डिजिटली प्रमाणित प्रॉपर्टी कार्ड को ऑनलाइन तरीके से नागरिकों को देने का निर्णय किया है। इसी तरह, गैर कृषि के आदेशों की मंजूरी के बाद निर्माण कार्यों से संबंधित समय सीमा को दूर किया है। भू-राजस्व संहिता की धारा-73 एए की मंजूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। सरकार के विभागों के बीच आपसी समन्वय के लिए 'ई-सरकार' पोर्टल की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-मुख्यमंत्री अमृतम (पीएमजेएवाई-एमए) योजना के लाभार्थियों को पटवारी की ओर से दिए जाने वाले आय प्रमाण पत्रों को तीन वर्ष तक वैध रखने का अहम निर्णय उनकी सरकार ने किया है। भूपेंद्र पटेल ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में 9 करोड़ 46 लाख से अधिक कोरोना टीके की डोज से नागरिकों को सुरक्षित किया गया है। 'पर मिलियन वैक्सीनेशन' यानी प्रति दस लाख की आबादी पर टीका लगाने के मामले में गुजरात अग्रसर है। राज्य में गैर संक्रामक रोगों के निदान की स्क्रीनिंग से लेकर उपचार तक का महाअभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में लगभग 1 करोड़ प्रधानमंत्री 'पीएमजेएवाई-एमए' कार्ड देने के साथ ही प्रधानमंत्री की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों को पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने समयबद्ध कार्ययोजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने यह संकल्प व्यक्त किया कि उनकी नई 'टीम गुजरात' 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के लक्ष्य के साथ जनसेवा के प्रबल संकल्प, अडिग आत्मविश्वास और अटूट जज्बे के साथ कर्तव्यरत रहने को प्रतिबद्ध है।

कोरोना संक्रमण बढ़ने से अहमदाबाद का कैम्प हनुमान मंदिर 12 दिनों के लिए बंद

अहमदाबाद (ईएमएस) कोरोना संक्रमण बढ़ने की वजह से गुजरात के अंबाजी, खेडब्रह्मा, शामलाजी और डाकोर स्थित रणछोड़रायजी के द्वार पहले ही श्रद्धालुओं के लिए बंद किए जा चुके हैं। देवभूमि द्वारका स्थित द्वारकाधीश और मेहसाणा के बहुचराजी मंदिर को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया। अब अहमदाबाद के विख्यात कैम्प हनुमान मंदिर को आज से 12 दिनों के लिए बंद किए जाने का फैसला किया गया हैं। अहमदाबाद स्थित कैम्प हनुमान मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में कोरोना संक्रमण बढ़ने के खतरे को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने आज से 31 जनवरी तक मंदिर बंद रखने का फैसा किया हैं। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी कैम्प हनुमान के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद थे। इससे पहले राज्य के कई बड़े मंदिरों को बंद रखने का फैसला किया गया था। बहुचराजी मंदिर और अंबाजी मंदिर 22 जनवरी तक बंद रहेंगे। खेडब्रह्मा स्थित अंबिकाजी और देवभूमि द्वारका स्थित भगवान द्वारकाधीश का मंदिर 23 जनवरी तक बंद रहेगा। हांलाकि राज्य के पावागढ़, सारंगपुर और चोटीला जैसे बड़े मंदिरों के बारे में फिलहाल कोई फैसला नहीं किया गया।

फ्लिपकार्ट लीप ने अपने फ्लैगशिप स्टा र्टअप प्रोग्राम के दूसरे चरण के लिए आवेदन आमंत्रित किए,

फ्लिपकार्ट लीप अहेड और फ्लिपकार्ट लीप इनोवेशन नेटवर्क शुरू करने की घोषणा

बेंगलुरु, 17 जनवरी, 2022: भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेपस फ्लिपकार्ट ने आज अपने फ्लैग्शि प स्टार्टअप एक्स लरेटर प्रोग्राम – फ्लिपकार्ट लीप को अगले स्तकर पर ले जाने की घोषणा की है जिसके चलते इसके तहत् शामिल चुनींदा स्टावर्टअप्सर के लिए व्याकपक और प्रासंगिक बाजार अवसरों की पहचान की जाएगी। प्रोग्राम के पहले कोहोर्ट के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद, फ्लिपकार्ट लीप अब दो नए प्रोग्रामों को शुरू करेगा, ये हैं – फ्लिपकार्ट लीप अहेड (एफएलए) तथा फ्लिपकार्ट लीप इनोवेशन नेटवर्क (एफएलआईएन)। फ्लिपकार्ट लीप को राष्ट्री य स्टार्टअप दिवस के मौके पर इस प्रोग्राम की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में स्टोर्टअप संस्क्रुति को बढ़ावा देने के उद्देश्यै से हाल में राष्ट्री य स्टोर्टअप दिवस शुरू करने की घोषणा की थी।

रवि अय्यर, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एवं हैड – कार्पोरेट डेवलपमेंट, फ्लिपकार्ट ने कहा, ''स्वेवदेशी कंपनी होने के नाते, हम नए दौर के स्टा र्टअप्सा को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मे्षी पेशकश करते हुए बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं। हमने फ्लिपकार्ट लीप की पिछली कामयाबी को देखते हुए स्टाहर्टअप्स को लंबे समय तक सपोर्ट करने के उद्देश्य् से बेहतर पेशकश की है। अर्ली-स्टेज और ग्रोथ-स्टेयज स्टा र्टअप्सअ के लिए अलग से समर्पित व्योवस्थाष के चलते, यह कोहोर्ट अब उद्यमियों के ऐसे व्याऔपक आधार को अपना लाभ दिलाएगा जो डिजिटल इंडिया के लिए समस्या्ओं के समाधान मुहैया करा रहे हैं – चाहे वह सार्थक भागीदारियों के रूप में हो और फ्लिपकार्ट के साथ संभावित परियोजनाओं अथवा इक्विटी निवेश के तौर पर पर हो जो उन्हें आगे बढ़ने में मददगार हो।''

पुलिस भर्ती के नाम पर 12 लोगों से ऐंठे लाखों रुपए, पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस) राजकोट में एलआरडी और पीएसआई की भर्ती नाम पर 3 युवती समेत 12 लोगों से लाखों रुपए ऐंठने की घटना सामने आई हैं। घटना सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने कृष्णा शाह और जेनिक परसाणा नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस विभाग में उसकी बड़ी पहचान होने का दावा करते हुए शारीरिक एवं लिखित परीक्षा के बगैर नियुक्ति पत्र मिल जाने का भरोसा दिलाकर 10 लोगों से प्रति व्यक्ति रु. 1.10 लाख और दो लोगों से 4-4 लाख रुपए समेत कुल रु. 15 लाख से ज्यादा की रकम ऐंठ ली थी। परंतु हाल ही में परिणाम की सूची में रुपए देनेवालों के नाम नहीं होने से पूरे मामले का भांडा फूटा और पीड़ित ने राजकोट पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया। राजकोट की गांधीग्राम पुलिस ने भी इनपुट के आधार पर रात-दिन एक कर दिया और एलआरडी-पीएसआई की भर्ती के नाम पर 12 लोगों से रुपए ऐंठने वाली कृष्णा शाह और जेनिक परसाणा को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की हैं। पूरे मामले को अपनी सूझ-बूझ से चंद दिनों में सुलझाने के लिए गांधीग्राम पुलिस को रु. 15000 का पुरस्कार देने की राजकोट के पुलिस आयुक्त मनोज अग्रवाल ने घोषणा की हैं। दूसरी ओर एलआरडी-पीएसआई भर्ती प्रकरण को लेकर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने राजकोट पुलिस को अभिनंदन किया हैं। साथ ही कहा कि ऐसी कोई घटना किसी के साथ हुई है तो वह तुरंत बोर्ड को जानकारी दें। एलआरडी बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने ट्वीट कर लिखा 'राजकोट में दो एलआरडी-पीएसआई की भर्ती में कई लोगों से रुपए एंठने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं। किसी भी उम्मीदवार को लालच में नहीं आना चाहिए। यदि कोई रुपए लेकर नौकरी दिलाने का वादा करता है तो तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए।

अहमदाबाद मंडल के जखवाड़ा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के जखवाड़ा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद मंडल से चलने वाली/होकर चलने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी।जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

पूर्ण निरस्त ट्रेनें

1. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 19119 अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस
2. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 09459 अहमदाबाद-विरमगाम मेमू स्पेशल
3. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस
4. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 19120 सोमनाथ-अहमदाबाद एक्सप्रेस
5. दिनांक 20 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 09460 विरमगाम-अहमदाबाद मेमू स्पेशल
6. दिनांक 20 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस

आंशिक रूप से निरस्त ट्रेन

1. दिनांक 18 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 19320 इंदौर-वेरावल एक्सप्रेस ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा अहमदाबाद और वेरावल के बीच निरस्त रहेगी।
2. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 19319 वेरावल-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वेरावल और अहमदाबाद के बीच निरस्त रहेगी।

डायवर्ट ट्रेन

1. दिनांक 19 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 14312 भुज-बरेली एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग सामाख्याली-चांदलोडिया-पालनपुर की बजाय परिवर्तित मार्ग विरमगाम-कटोसण रोड-महेसाणा होकर चलेगी।

19 व 20 जनवरी 2022 को कलोल-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग 04 बंद रहेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद मण्डल पर कलोल-गांधीनगर रेलखंड के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 04 किमी (5/13-14) मरम्मत कार्य के लिए 19 जनवरी 2022 को प्रातः 08:00 बजे से 20 जनवरी 2022 को 20:00 बजे (कुल दो दिन) तक बंद रहेगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान कलोल-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रोसिंग नं 03 किमी (5/13-14) का इस्तेमाल कर सकते है।

मिडिलबाई सेलॅस्ट अहमदाबाद, मेसर्स नंदी उपकरण के साथ मिलकर इनोवेशन सेंटर खोला

अहमदाबाद, जनवरी 17, 2022: द मिडिलबे कॉर्पोरेशन का एक प्रभाग, मिडिलबे सेलॅस्ट, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में सार्वजनिक रूप से संचालित होता है, ने अपने चैनल पार्टनर मेसर्स नंद इक्विपमेंट द्वारा अहमदाबाद के गोटा क्षेत्र में अपने इनोवेशन सेंटर के भव्य उद्घाटन की घोषणा की है। केंद्र गोटा-वडसर रोड, दंताली में स्थित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्गिन, इलिनोइस में मुख्यालय, द मिडिलबी कॉर्पोरेशन खाद्य सेवा उपकरण उद्योग में एक विश्व नेता है। कंपनी 150 से अधिक देशों में 10,000 से अधिक कर्मचारियों और 100 से अधिक बिक्री और विनिर्माण केंद्रों के साथ काम करती है। कंपनी का वर्तमान मार्केट कैप लगभग

10. 10.97 बिलियन यूएस (NASDAQ: MIDD) है और 2020 में यूएस 2. 2.6 बिलियन का राजस्व है।

मिडिलबाई कॉर्पोरेशन के पास 100 से अधिक ब्रांड हैं और यह खाद्य सेवा, खाद्य प्रसंस्करण और प्रीमियम आवासीय बाजारों को उपकरण प्रदान करता है।

मिडिलबाई सेलॅस्ट को भारत में पसंदीदा वाणिज्यिक खाद्य सेवा उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में जाना जाता है और सेलॅस्ट ब्रांड के तहत पेशेवर रेफ्रिजरेटर, ठंडे कमरे, बर्फ मशीन और फ्रीजर जैसे ठंडे साइड उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला बेचता है। इसके अलावा इसके विभिन्न हॉट साइड उत्पाद जैसे फ्रायर, ओवन, कन्वेयर ओवन, स्पीड ओवन, ग्रिल विभिन्न मिडिलबाय ब्रांडों के तहत बेचे जाते हैं। सेलॅस्ट तेजी से बढ़ती रेस्तरां श्रृंखला और होटल समूह के लिए उपकरणों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इसके निदेशक बालाजी सुब्रमण्यम ने कहा, जब हमारे ग्राहकों की बात आती है, तो वे हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

MEIL ने सिटी गैस परियोजना में सबसे अधिक भौगोलिक क्षेत्रों के लिए निविदा प्राप्त की

हैदराबाद स्थित बहु-क्षेत्रीय वैश्विक इंजीनियरिंग अग्रणी कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (MEIL) पूरे भारत में सबसे अधिक भौगोलिक क्षेत्रों (GA) के लिए सफल बिडर (बोलीदाता) के रूप में उभरी है। 15 भौगोलिक क्षेत्रों के लिए बिड (निविदा,बोली) जीतकर, ईंध्ं ने ईं की कुल संख्या का 23इ हासिल किया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (PNGRB) ने पूरे भारत में 65 भौगोलिक क्षेत्रों (GA) के लिए सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) परियोजना की बिडिंग (बोली लगाने) का आह्वान किया था।

MEIL ने 43 ईं के लिए बोली लगाई थी। बोली के लिए खोले गए 65 ईं में से किसी ने भी चार भौगोलिक क्षेत्रों के लिए निविदा की प्रस्तुती नहीं की। इस प्रकार GA की कुल संख्या को 61 तक आ गई।

15 GA के लिए MEIL सफल बोलीदाता के रूप में उभरी थी।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) परियोजना के तहत जिन सफल बोलीदाताओं को कार्य प्रदान किया गया है, उन्हें सिटी गेट स्टेशन या मदर स्टेशनों का निर्माण करना होगा। उन्हें मुख्य पाइपलाइन और वितरण पाइपलाइन बिछानी होगी और सीएनजी स्टेशन स्थापित करना होगा

CGD का उद्देश्य घरों और उद्योगों (घरेलू या औद्योगिक खपत हेतू) के लिए पाइप नैचरल गैस (PNG) जैसे ग्रीन फ्यूल (प्राकृतिक गैस) और वाहनों और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए ईंधन के रूप में उपयोग की जाने वाली कंप्रेस्ड (संपीडित) नैचरल गैस (CNG) को बढ़ावा देना है।

एजीएस ट्रांजैक्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ 19 जनवरी, 2022 को खुलेगा

मुंबई, 17जनवरी, 2022: एजीएस ट्रांजैक्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एजीएस या कंपनी''), ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर'') को 19 जनवरी, 2022 को खोलनेका प्रस्ताव दियाहै।

ऑफ़र का प्राइसबैंड Rs.10 प्रत्येक के अंकित मूल्य पर Rs.166 से Rs.175 प्रति इक्विटीशेयर निर्धारित किया गया है (इकिटीशेयर'')।न्यूनतम 85 इक्विटीशेयर और उसके बाद 85इक्विटीशेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है

इस ऑफर में एजीएस ट्रांजैक्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के Rs.10 के अंकित मूल्य के इक्विटीशेयर

शामिल हैं, जो कुल मिलाकर Rs.6,800 मिलियन (ऑफर'') के हैं, जो ऑफर फॉर सेल के जरिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसमें श्रीरविबी. गोयल (''प्रमोटरसेलिंग शेयरधारक'') के Rs.6,775.80 मिलियन इक्विटीशेयर, श्रीवीसीगुप्तेके Rs.7.63 मिलियनके इक्विटीशेयर्स, श्रीशैलेशशेट्टीके Rs. 5.97 मिलियनकेइक्विटीशेयर्स, श्रीराकेशकुमारके Rs.4.64 मिलियन के इक्विटीशेयर्स, श्रीनिखिल पटियात के Rs. 2.98 मिलियन तक के इक्विटीशेयर और श्रीराजेश हर्षदराय शाहके ? 2.98 मिलियन तक के इक्विटीशेयर (सामूहिक रूप से, ''अन्य विक्रेता शेयर धारक'') शामिल हैं।

इस ऑफर में पेश किए गए इक्विटीशेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'', बीएसई के साथ, ''स्टॉक एक्सचेंजों'') पर सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95